खो युनलू

(१९४७ -   )

खो युनलू उर्फ पाओ क्वोलू का जन्म १९४७ में शाङहाए में हुआ था। उन्होंने १९६८ में पेइचिङ के एक उच्च माध्यमिक विद्यालय से पढ़ाई पूरी की और उसके बाद शानशी प्रांत के गांव में खेती का काम किया। वे १९७२ से शानशी के य्वीछि शहर के पालीऐमाइड रेशा कारखाने में मजदूर का काम कर रहे हैं।

"तीन करोड़" खो युनलू की प्रथम प्रकाशित रचना है। उनकी एक अन्य कहानी "एक उच्चस्तरीय कार्यकर्ता का पेइचिङ जाना" १९८१ में प्रकाशित हुई थी।

तीन करोड़

खो युनलू

१

१९७९ का आरंभ। एक निर्माणाधीन विनाइलॉन कारखाना।

इमारतों के बीच की खाली जगहों में लोहे की छड़ें और लकड़ियां बेतरतीबी से बिखरी पड़ी थीं। तेज हवा में सीमेंट की बोरियों के कागज के टुकड़े उड़ रहे थे। कारखाने की निर्माण कमेटी के सदस्य जांच के लिए आए हल्का उद्योग के प्रांतीय ब्यूरो के उच्च अधिकारियों के साथ-साथ चल रहे थे।

"तीन करोड़, उससे कम नहीं, एक पैसा भी कम नहीं? अजीब जिद्द है, है कि नहीं?" प्रांतीय ब्यूरो की पार्टी कमेटी के सचिव और निदेशक तिङ मङ ने बुदबुदाकर कहा। उन्होंने खोजती निगाहों से सबको देखा, ऐसा लग रहा था जैसे वे कुछ सोच रहे हों। उनके बाल छोटे और सफेद थे। माथे पर गहरी सलवटें थीं और चेहरे की झुर्रियां किसी खुरदरी और कठोर चट्टान में पड़ी दरारों की तरह लगती थीं। उनके स्वाभाविक मजाकिया स्वर से जाहिर था कि वह अप्रसन्न हैं।

निदेशक तिङ एक असाधारण व्यक्ति थे। उन्हें हाल ही में पुराने पद पर बहाल किया गया था। "सांस्कृतिक क्रांति" के पूर्व कर्तव्य निभाने की अपनी सावधानी व दृढ़ता के लिए वह पूरे प्रांत में विख्यात थे और उन्होंने अनेक अनुकरणीय कार्य किए थे। उनकी वर्तमान यात्रा का उद्देश्य पिछले दस वर्षों से निर्माणाधीन और "वर्षों लंबी परियोजना" के नाम से प्रसिद्ध विनाइलॉन कारखाने के प्रस्तावित पूरक बजट की जांच करना था। अंततः इस वर्ष अगले बारह महीनों में निर्माण कार्य समाप्त करने की योजना पेश की गई थी। किंतु साथ ही विनाइलॉन कारखाने (पक्ष क) और भवन निर्माण के लिए जिम्मेदार प्रांतीय निर्माण कम्पनी के नौवें विभाग (पक्ष ख) द्वारा संगठित संयुक्त निर्माण निर्देशन कमेटी ने तीन करोड़ य्वान अतिरिक्त राशि की मांग पेश की थी। कारखाने की इमारत के निर्माण का आरंभिक बजट पांच करोड़ था। पर अधिक खर्च होने के कारण पिछले दस वर्षों में बजट का बढ़ना स्वाभाविक था। अभी तक इस मद में पंद्रह करोड़ य्वान खर्च हो चुके थे। निस्संदेह पांच करोड़ य्वान

के आरंभिक बजट की योजना के लिए पंद्रह करोड़ य्वान खर्च करने के बाद फिर से तीन करोड़ य्वान आवंटित करने की बात असंगत थी।

निदेशक तिङ को अच्छी तरह पता था कि अभी की स्थिति में बजट में कटौती करना मुश्किल काम है। यहां तक कि योजना कमेटी, निर्माण कमेटी और केंद्रीय सरकार भी इससे निबटने का सही रास्ता नहीं ढूंढ़ सकी थीं। सबने यही कहा कि अभी की स्थिति को कभी नहीं बदला जा सकता। पर वह कोशिश, एक अच्छी कोशिश, "अभी की स्थिति" में करना चाहते थे, जिसे अभी तक किसी ने चुनौती देने का भी साहस नहीं किया था। उन्हें यह भी पता लगा था कि इस कार्य को निबटाने के लिए स्थितियां उनके अनुकूल हैं; कारखाने की पार्टी कमेटी के सचिव और संयुक्त निर्माण निर्देशन कमेटी के मुख्य निदेशक चाङ आनपाङ ने १९६५ में उनके साथ एक ही कपड़ा कारखाने में काम किया था। चाङ आनपाङ को उन्होंने प्रशिक्षित किया और आगे बढ़ाया था। वह चाङ को अच्छी तरह जानते थे और स्वाभाविक तौर से यह मानकर चल रहे थे कि इस कार्य में चाङ उनकी मदद करेंगे।

पर उनकी उम्मीद के अनुसार कुछ भी नहीं हुआ। पिछले दस से अधिक वर्षों में दोनों के बीच कोई आपसी संपर्क नहीं रह गया था और चाङ आनपाङ भी अब किसी दूरस्थ और गूढ़ व्यक्ति की तरह हो गए थे। हालांकि पुराने वरिष्ठ कार्यकर्ता की तरह उनका स्वागत किया गया और उन्होंने उसमें निहित उत्साह व सहजता को भी महसूस किया, पर सारी नम्रता और व्यक्त आदर के पीछे कहीं कोई सूक्ष्म दीवार खड़ी थी। चाङ आनपाङ की व्यवस्था में पिछले कुछ दिनों से ऐसा लग रहा था मानो पूरक बजट का जांच-कार्य घने कुहासे में छिप गया हो। ऊपरी तौर पर सब कुछ असंदिग्ध लग रहा था और अतिरिक्त राशि की मांग को अनुचित ठहराने का कोई सबूत नहीं था। यदि कोई हिसाब मांगता तो लगभग दो फीट ऊंची "बजट रिपोर्ट" और "कैलकुलेशन रिपोर्ट" का गट्ठर प्रस्तुत किया जा सकता था। कंप्यूटर से निकले सैकड़ों पृष्ठ हिसाब-किताब से भरे थे। यदि कोई राय मांगता तो संयुक्त निर्माण निर्देशन कमेटी के पक्ष क और पक्ष ख के पास विस्तृत और सुसंगत रिपोर्ट पहले से तैयार थी। संक्षेप में, सब मिलाकर ऐसा लगता था कि बजट प्रामाणिक है, केवल एक ही काम बचा है और वह है बजट की मंजूरी का।

कृत्रिम नम्रता और कार्यालयीय माहौल से तिङ मङ और अधिक क्षुब्ध हुए। उनके मन में यह बात घर कर गई कि किसी ने सभी चीजों पर चादर बिछा रखी है और वास्तविक तथ्यों से वह अवगत नहीं है। ऐसा किसने किया है? चाङ आनपाङ ने? तिङ मङ को अभी निर्णय लेना था।

"हमने बजट को कम करने की पूरी कोशिश की। अब इससे कम नहीं किया जा सकता," आगे बढ़कर जवाब देने वाले और कोई नहीं, कारखाने की पार्टी कमेटी के सचिव चाङ आनपाङ स्वयं थे। उनका भरा-पूरा चेहरा लंबा व अंडाकार था, उनकी आंखों में अजीब चमक थी। हालांकि वे साधारण-सी बात कह रहे थे, पर आवाज प्रभावशाली थी। साथ ही इस प्रभावशाली आवाज में एक आत्मीयता थी, जिसके पीछे पुराने वरिष्ठ कार्यकर्ता से अपनी

प्रशंसा सुनने, स्नेह प्रकट करने और अपने काम की कठिनाई बताने का लोभ था कि कैसे उनका सहायक काम को निबटाने की पूरी कोशिश कर रहा है। इतना कहने के बाद चाङ आनपाङ अपने इर्द-गिर्द खड़े सहायकों को देखकर मुस्कराए; सहायकों ने भी तुरंत मुस्कराकर और सिर हिलाकर अपनी सहमति व्यक्त की।

"वह क्या है?" अस्थायी उपयोग के लिए निर्मित इमारत की तरफ इशारा करते हुए तिङ मङ ने पूछा। देखने में वह कोई जीर्ण-शीर्ण गोदाम लग रहा था।

"यह अस्थायी भोजनालय है," चाङ आनपाङ ने शांत स्वर में कहा। उन्होंने उसके बगल में स्थित सीमेंट की बोरियों और मशीनों से भरे पुराने भोजनालय की तरफ दिखा कर कहा, "सामान रखने की जगह की कमी के कारण उसे अस्थायी मालगोदाम बना दिया गया और हमें इस अस्थायी भोजनालय का निर्माण करना पड़ा। इस बात से तो आप भी सहमत होंगे कि मजदूरों को खुले मैदान में नहीं खाना चाहिए।"

बातें करते हुए वे लोग "अस्थायी भोजनालय" में घुसे। ऊपर छत की जगह नरकट की चटाइयां बिछी हुई थीं और नीचे ईंटों के टुकड़ों से फर्श बनाई गई थी। खिड़कियों में चौखट व किवाड़ नहीं थे और जैसे-तैसे लकड़ी की पट्टियों से लगाई गई प्लास्टिक की चादरें हवा में फड़फड़ा रही थीं। सब कुछ सचमुच "अस्थायी" लग रहा था। हल्का उद्योग ब्यूरो के निर्माण विभाग के एक निदेशक ने पुष्टि की, "इन्होंने अस्थायी भोजनालय के लिए आवेदन पत्र दिया था।"

तिङ मङ ने उड़ती नजर से हॉल को देखा और नाराजगी प्रकट की, "यह अस्थायी भोजनालय है!... अस्थायी उपयोग के लिए निर्मित, फिर दीवार में सीमेंट और गारा क्यों लगाया गया है? और फिर घेरा?... इस डर से कि बाद में बहुत आसानी से टूट न जाए, हूं?" तिङ मङ की नजर में जो कुछ आ रहा था, उसकी तरफ क्रोध से इशारा कर रहे थे। "इतनी बड़ी जगह, चौड़े दरवाजे और चौड़ी खिड़कियां। देखें, बीच की दीवार के लिए भी नींव पड़ चुकी है। तो यह अस्थायी भोजनालय है?... यह तो बड़ा क्लब बन सकता है, बस थोड़े रद्दोबदल की जरूरत पड़ेगी!... गलत बजट बनाना और योजना से अलग इमारत का निर्माण करना! यह तो अपराध है।"

अप्रत्याशित प्रश्नों से सभी भौंचक्के रह गए। सभी के होंठों पर ताले लग गए थे। वातावरण में उलझन और आशंका व्याप्त थी। किसी ने सोचा तक नहीं था कि निदेशक तिङ इतनी आसानी से सब कुछ भांप लेंगे। मामला गंभीर था।

चाङ आनपाङ ने थोड़ी अप्रसन्नता के साथ अपने सहायकों को देखा, फिर मुड़कर मुस्कराते हुए अफसोस भरे स्वर में तिङ मङ से कहा, "निदेशक तिङ, सचमुच दूसरा कोई रास्ता न था। वर्षों अति वामपंथी नीतियों के बने रहने के कारण ऐसा होना अवश्यंभावी था। 'उत्पादन पहले और रहन-सहन बाद में' ऐसे नारों के दौरान खुलेआम क्लब चलाने का साहस कौन करता? आप जानते ही हैं, इसकी अनुमति भी नहीं मिलती... हमारे कारखाने के अधिकांश मजदूर युवा हैं और हमें किसी न किसी तरह उनकी सांस्कृतिक रुचियों का ख्याल रखना पड़ता है।"

सहानुभूतिपरक और युक्तिसंगत बचाव की दलील से वातावरण कुछ बदला। सबने राहत की सांस ली और मन ही मन मुख्य निदेशक चाङ की प्रशंसा की। थोड़ी देर के लिए ऐसा लगा कि अब तिङ मङ दुविधा में फंस गए और उनके लिए जवाब देना मुश्किल हो रहा है।

"अच्छा, तो आप इस गलत काम का भी श्रेय लेना चाहते हैं... है कि नहीं?" तिङ मङ ने व्यंग्य करते हुए कहा। "आप जानते हैं, १९७९ है... आप अभी भी धोखा देने की चालबाजी क्यों कर रहे हैं?" उन्होंने जब देखा कि चाङ आनपाङ बचाव में और भी कुछ कहना चाहते हैं तो हाथ हिलाकर उन्हें रोक दिया :

"पहले झूठे बहाने से अस्थायी भोजनालय चलाने पर एक रिपोर्ट पेश कीजिए और किसी भी अनुशासनिक कार्रवाई को स्वीकार करने के लिए तैयार रहिए।"

फिर से सबको झटका लगा।

"फिर अपने क्लब की स्वीकृति के लिए दूसरी रिपोर्ट ब्यूरो को भेजिए। समझ गए न!"

ये दो फैसले इतनी तेजी से आए जैसे बादलों के टकराने से बिजली कौंधी हो। सबने महसूस किया कि निदेशक तिङ सभी से कर्तव्यनिष्ठा चाहते हैं।

तिङ मङ यहीं नहीं रुके। उनकी छिद्रान्वेषी और खोजती आंखों ने निर्माण निर्देशन कमेटी के सभी सदस्यों को गौर से देखा। "ऐसा लगता है कि आपके मुख्य निदेशक में निष्ठा की कमी है... ठीक है, वे ऐसा कर सकते हैं, पर दूसरे साथी क्या कर रहे थे? क्यों नहीं आप में से किसी ने आपत्ति की या कम से कम उच्चस्तरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी?" किसी के मुंह से एक शब्द न निकला। सभी चुप्पी की दीवार की तरह खड़े रहे।

सच यह था कि "सामूहिक लाभ" के तहत किसी भी संस्थान या उद्यम के सभी कार्यकर्ता सरकार से अधिक पैसे मांगने के समय एकमत हो जाते थे। यह स्वाभाविक और समझ में आने वाली बात थी। "सामूहिक लाभ" को तोड़ने का कोई फायदा नहीं था, क्योंकि छोटे-बड़े सभी कार्यकर्ता अपना हिस्सा चाहते थे और हर कोई अपने पद पर बना रहना चाहता था। यह आजकल का अतिसामान्य तथ्य था और पिछले कुछ दिनों से यह तथ्य तिङ मङ का उपहास कर रहा था और उनके गुस्से को बढ़ा रहा था।

तिङ मङ की उग्र आंखों की तरफ देखने का साहस पाए शा के अलावा किसी को नहीं हुआ। पाए शा प्रौढ़ महिला तकनीक और विनाइलॉन कारखाने के निर्माण कार्यालय की डीन थीं। उन्होंने लापरवाही से ललाट पर आ गए बाल के गुच्छे को ऊपर किया और एक नजर तिङ मङ को देखा और फिर पहले की तरह विरक्त नजरों से दूसरी तरफ देखने लगीं।

"कॉमरेड पाए शा, आप बजट के लिए जिम्मेदार हैं। आपने निष्ठापूर्वक कार्य क्यों नहीं किया?" तिङ मङ ने उनकी तरफ देखा और स्पष्ट आलोचना की। क्रोध के कारण पाए शा के गाल लाल हो गए और आंखों में विद्वेष तैरने लगा।

चाङ आनपाङ ने कहा, "निदेशक तिङ, इन सारी बातों के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।" निष्कपट भाव से आगे बढ़ते हुए उन्होंने कहा, " सभी कॉमरेड विशेष कार्यभारों को पूरा कर रहे हैं और पिछले कुछ वर्षों के दौरान अनेक कठिनाइयां भी थीं। सारी गलती

मेरी है; सचमुच उन्हें दोष नहीं दिया जा सकता। और फिर इस अस्थायी भोजनालय का तीन करोड़ से कोई संबंध नहीं है..."

"इससे कोई संबंध नहीं है? आपको जिम्मेदार ठहराया जाए? आप प्रतीक्षा करें। आपको अभी ढेर सारे जवाब देने पड़ेंगे," तिङ मङ ने चाङ 'आनपाङ की तरफ संदेह भरी नजरों से देखते हुए स्वयं से कहा। "अस्थायी भोजनालय" संबंधी चाङ आनपाङ की चालबाजी से उनका विश्वास और मजबूत हो गया कि अवश्य ही इस तीन करोड़ के पीछे कोई संदिग्ध चाल है। उन्होंने पाए शा की तरफ देखा और फिर से पूछा, "पाए शा, तीन करोड़ पर आपकी अंतिम टिप्पणी क्या है?"

"ईमानदारी की बात यह है कि विनाइलॉन कारखाने के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए कम से कम इतनी राशि अवश्य चाहिए। इस संबंध में हमारे विचार समान और एक हैं," पाए शा के बदले चाङ आनपाङ ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, वे फिर से पुराने सहायक के स्वर में बोल रहे थे। उनकी तीव्र इच्छा थी कि तनावपूर्ण माहौल को हल्का किया जाए।

"आनपाङ, यह अच्छी बात नहीं है, है कि नहीं?" तिङ मङ ने उन्हें कठोर और अप्रसन्न नजरों से देखा। "आप सबके बदले बोल रहे हैं। वह गूंगी नहीं हैं, है न?"

चाङ आनपाङ धीरे से मुस्कराए। उनके भाव से ऐसा लगा कि वह तिङ मङ की किसी भी आलोचना को स्वीकार करने को तैयार हैं।

"पाए शा, आप अपनी अंतिम टिप्पणी सुनाएं। आप हमेशा अपने निदेशक पर आश्रित नहीं रह सकतीं," तिङ मङ ने कहा।

"आश्रित? मैंने अब तक आश्रित रहना सीखा ही नहीं।" पाए शा ने ठंडे स्वर में जवाब दिया। तिङ मङ की बातों से उनके आत्मसम्मान को ठेस लगी थी। तीस वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित तकनीशियन पाए शा सारी बातों से पूर्णतः उदासीन थीं। उनके विचार से किसी भी बात के लिए गंभीर होने की जरूरत नहीं थी। अगर तीन करोड़ उन्हें प्रभावित नहीं करता तो तीन करोड़, तीन करोड़ बना रहे। उन्होंने बजट बनाने में अवश्य हिस्सा लिया था, पर वह उससे जुड़ी नहीं रहीं। कारखाने में वह लहर के साथ चलतीं और नियमित रूप से अपने आठ घंटे के निर्धारित कार्य को पूरा करती थीं।

"पाए शा, नाराज न हों," चाङ आनपाङ ने उलाहना भरे मगर रक्षात्मक स्वर में कहा। "निदेशक तिङ तीन करोड़ के संबंध में आपके विचार जानना चाहते हैं।"

"मेरा कोई विचार नहीं है," पाए शा ने कहा, उनके स्वर में अभी भी ठंडापन था। "तीन करोड़ शायद काफी होगा!" उन्होंने तिङ मङ की तरफ देखा भी नहीं। अपने स्कार्फ को हिलाते हुए और कुछ बोले बिना वह दूसरी तरफ घूम गईं।

"शायद? क्या आर्थिक योजना विभाग में काम करने वाले को ऐसे शब्द का प्रयोग करना चाहिए?" तिङ मङ अपना गुस्सा न रोक सके। उनकी आंखों से क्रोध की चिनगारियां निकलीं, गुस्से से उनके गाल तक फड़क रहे थे। खामोश चेहरों को देखने के बाद उन्होंने शांत रहना उचित समझा। क्रोध व्यक्त करने का अर्थ अपनी कमजोरी और असहायता व्यक्त करना ही है। वह निर्भीकता से सच्चाई पर पड़ी चादर हटा देना चाहते थे। अचानक उन्होंने एक महत्वपूर्ण

व्यक्ति के बारे में सोचा। वह चाङ आनपाङ को तिरस्कारपूर्ण नजरों से देखते हुए गंभीर व आधिकारिक स्वर में बोले, "ठीक है, अगर यही स्थिति है तो मैं पूरे मामले की जांच के लिए एक विशेषज्ञ को बुलाऊंगा। छ्येन वेइछुङ...आपने यह नाम सुना है क्या?"

पाए शा अचानक पलटीं, आंखें उनकी चौंक को प्रकट कर गईं।

चाङ आनपाङ ने उम्मीद नहीं की थी कि तिङ मङ ऐसा कुछ करेंगे। फिर भी उन्होंने सहमति प्रकट करते हुए कहा, "यह तो बड़ी अच्छी बात है! यह अधिक विश्वसनीय होगा।" उनकी मुस्कराहट में परेशानी की लेशमात्र भी झलक नहीं थी। वे छ्येन वेइछुङ को नहीं जानते थे, पर उन्हें विश्वास था कि योग्य से योग्य विशेषज्ञ भी कुछ दिनों के अंदर इतने बड़े हिसाब-किताब पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगा सकता।

"अच्छा होगा कि बजट आप लोग ही कम कर लें...यदि आप पकड़े गए तो मुश्किल होगी!" तिङ मङ ने कहा।

२

उस दोपहर पाए शा चाङ आनपाङ के घर आईं।

"अगर बजट को फिर से ठीक ही करना है तो हमें यह काम जैसे-तैसे कर लेना चाहिए। इस मामले में तो वह छ्येन वेइछुङ की जांच में खरा नहीं उतरेगा," पाए शा ने स्पष्ट शब्दों में कहा।

"ऐसी कोई बात नहीं है," चाङ आनपाङ ने सिर हिलाते हुए मुस्कराकर कहा। उन्हें कोई घबराहट नहीं थी। दोपहर तक उन्होंने अपनी जांच-पड़ताल कर ली थी। छ्येन वेइछुङ हलका [illegible] एक साधारण इंजीनियर और योजना विभाग में डिजाइन बनाने वाले प्रभारी थे। उनका लड़का छ्येन श्याओपो विनाइलॉन कारखाने में मजदूर था।

"आपको शायद विश्वास न हो, पर वह बजट विशेषज्ञ थे और पहले पूरे देश में जाने जाते थे," पाए शा ने उन्हें आगाह किया।

चाङ आनपाङ थोड़ी देर के लिए किंकर्तव्यविमूढ़ हो गए। उन्हें नहीं मालूम था कि छ्येन वेइछुङ बजट विशेषज्ञ रह चुके हैं या कि ये तथाकथित विशेषज्ञ कितने प्रभावशाली होते हैं। अपनी घबराहट छिपाने के लिए जोर से हंसते हुए अपने स्वाभाविक सौम्य और मजाकिया स्वर में वह बोले, "तो तुम डर रही हो? क्यों? यह तो हमारे काम का हिस्सा है।"

"डर? मुझे किस बात का डर होगा?" पाए शा ने खीझते हुए उन्हें तिक्त नजरों से देखा। "मेरा तो यह कहना है कि समस्या मोल लेने का कोई फायदा नहीं है, बस। ऐसी कोई जरूरत नहीं है।" अपनी बात समाप्त करके वह वहां से उठीं और बाहर निकल गईं।

उनकी लंबी-पतली छाया को दरवाजे से बाहर गुम होते देखते हुए चाङ आनपाङ ने महसूस किया कि मामला गंभीर है और उन्हें जल्दी से जवाबी कार्यवाही आरंभ कर देनी चाहिए!...फिर भी वे कुछ सेकेंड तक सोफे पर बैठे रहे, जैसे उन्होंने समाधि लगा ली हो। अचानक उन्हें सुबह जांच के बाद तिङ मङ से हुई बातें याद आईं। उनकी बातें इतनी साफ, निष्कपट और

सीधी थीं कि चाङ आनपाङ प्रभावित हो गए थे। उस क्षण तिङ मङ की गंभीर व सौम्य आंखों से नजरें मिलने पर वे "तीन करोड़" के बारे में हिचकिचाए थे।

मेज पर रखे टेलिफोन की घंटी बजी। सामग्री ब्यूरो का फोन था। वे मजदूरों की बहाली का कोटा मांग रहे थे। चाङ आनपाङ ने उनसे कुछ नई नौकरियों का वादा किया था ताकि ब्यूरो के निदेशकों के बच्चों को प्रांतीय निर्माण कंपनी में लगाया जा सके—यह सब उसी "तीन करोड़" से करना था। चूंकि सामग्री ब्यूरो वाले ज्यादा नखरा-तिल्ला दिखाते थे, इसलिए चाङ आनपाङ उन्हें "हां...हां" कहते आ रहे थे।

एक टेलीफोन कॉल ने चाङ आनपाङ के सामने सब कुछ स्पष्ट कर दिया। "तीन करोड़" के पीछे उन्हें निदेशकों और विभागों के प्रधानों के धुंधले चेहरे नजर आए। उन्होंने रिसीवर रखा और उनकी पुरानी दृढ़ता लौट आई। उन्हें किसी भी तरह "तीन करोड़" प्राप्त करना ही है।

निस्संदेह, इस राशि में से उन्हें एक पैसा भी नहीं छूना था। पर उन्हें पूरी राशि हासिल करनी थी, वर्ना वह अपने दांव-पेंच में पूर्णतः असफल हो जाएंगे। उदाहरणार्थ, कारखाने के सहायक सचिव और सहायक प्रबंधक अहाते वाले सुंदर मकानों में रहना चाहते थे। प्रशासनिक विभाग के प्रधान चाहते थे कि एक अतिथि गृह का निर्माण हो जिसका नियंत्रण उनके हाथ में हो। अस्पताल के निदेशक चिकित्सा भवन में एक मंजिल और जोड़ना चाहते थे ताकि उनके बैठने का कमरा अधिक खुला और आरामदेह हो...। ऐसे लोगों ने कारखाने के नेता के रूप में स्थिति मजबूत करने में उनकी काफी सहायता की थी और उन्हें उनकी मांगें पूरी करनी थीं। यह कारण ही "तीन करोड़" की लड़ाई के लिए उन्हें बाध्य करने को पर्याप्त था। वे उन्हें निराश नहीं कर सकते थे, इससे भविष्य में समर्थन खोने या, यहां तक कि, विश्वासघात की भी संभावना बनती थी।

दरअसल "तीन करोड़" प्राप्त करने का उद्देश्य इन सबसे परे था। एक बड़े कारखाने का छल-कपट करने में कुशल पार्टी सचिव, जिसके पास बहुत अधिक पैसे और सामान, कारें और परिचित हों, वह अवश्य ही समाज में अदृश्य सत्ता हासिल करने के योग्य होता है। अच्छी जिंदगी पसंद करने का अर्थ घर को सोफा, टीवी, फ्रिज आदि वांछित वस्तुओं से सजाना भी तो है। उनके जैसे पद व सत्ता से प्रेम करने वाले व्यक्ति के लिए इसमें सफलता प्राप्त करने का अर्थ शेखी बघारने के लिए ठोस मसालों का मिलना था।

वह सत्तालोलुप पैदा नहीं हुए थे। "सांस्कृतिक क्रांति" आरंभ होने के समय वह एक वर्ष के लिए कारखाने के सहायक प्रबंधक बने थे। उन्हें "सत्ता गुट" का समझकर बाहर भेज दिया गया था और तब उन्हें कुछ दिनों के लिए "गौशाला" में रहना पड़ा था ("गौशाला" का प्रयोग "सांस्कृतिक क्रांति" के समय ऐसे आवास के लिए किया जाता था, जहां लोगों को कठोर श्रम करना पड़ता था)। उस समय उन्हें सबसे अधिक अफसोस सहायक प्रबंधक होने का हुआ था। पर उन्होंने जल्दी ही सीख लिया। बुद्धिमानी के साथ उन्होंने पक्ष बदल लिया और अपनी वफादारी की स्पष्ट घोषणा की तथा मोर्चे पर डटे रहे। फिर उन्होंने नई राह निकाली और आंख मूंदकर स्वयं को प्रचण्ड तूफान के हवाले कर दिया। धीरे-धीरे राजनीति

के वास्तविक रूप से वह परिचित होते गए और अन्ततः उसकी बारीकी भी उनकी समझ में आने लगी। सचमुच तेज राजनीतिक प्रवाह और विश्वासघाती भंवरों ने उन्हें कई बार नीचे डुबोया। पर हर बार किसी न किसी तरह वे सतह पर आ गए। इस प्रक्रिया में उन्होंने अपने पुराने अंतःकरण को दफना दिया और नया रूप धारण किया। संक्षेप में उन्होंने स्वयं को नए सांचे में ढाल लिया था। अब राजनीतिक जीवन के उतार-चढ़ाव के पिछले दस वर्षों के अनुभवों के बाद वह स्वाभाविक रूप से अपने उद्देश्यों को हासिल करने के लिए अधिक उतावले न थे। फिर भी अपने राजनीतिक भविष्य की अदम्य इच्छा उनके दिल से कभी नहीं गई।

इस तरह "तीन करोड़" उनके निजी हित और कारखाने के अंदर व बाहर के दूसरे लोगों के हितों के मेल के प्रतीक थे। उदाहरण के लिए दूर की कौड़ी लाने की जरूरत नहीं है। यदि प्रांतीय निर्माण कंपनी के लिए बजट को थोड़ा नहीं बढ़ाते तो वह मजदूरों की बहाली का कोटा नहीं पा सकते थे। सामग्री ब्यूरो के उच्च अधिकारियों के बेटों की नौकरी के लिए उन्हें इसकी जरूरत थी। उन्हें बहुत सतर्कता के साथ यह सारा काम करना था। वरना वह अपने सामाजिक संबंधों को कैसे बढ़ाते और मजबूत करते? फिलहाल वह प्रिफेक्चर की पार्टी कमेटी के उन नेतृत्वकारी कार्यकर्ताओं के लिए अच्छे रिहाइशी मकानों की व्यवस्था के बारे में सोच रहे थे, जिनके परिजन कारखाने में काम करते हैं। साज-सामान की हेराफेरी से आसपास की काउंटियों को अपने नियंत्रण में करने का विचार भी उनके मन में आया था। संक्षेप में, अभी की स्थिति में अधिकारियों की राजनीतिक सफलता के सभी गुरों को वह अच्छी तरह जानते थे। अगर अपने सामाजिक संबंधों का लंबा-चौड़ा जाल उन्होंने नहीं बिछाया होता तो इतना आगे नहीं बढ़ पाए होते। बस यही बात थी। ये सचमुच जटिल और कठिन मौके होते थे, खासकर संबंध व परिचय बनाने के मामले में। उन्हें अच्छी तरह मालूम था कि पदोन्नति या नौकरी बदलने संबंधी फैसले हर स्थिति में अपने ऊपर के अधिकारियों द्वारा नहीं लिए जाते। संभव है कि किसी अपरिचित छोटे अधिकारी द्वारा खास चैनल से कहलवाने पर काम आसानी से हो जाए।

विनाइलॉन कारखाने में कार्यकर्ता से लेकर साधारण मजदूर तक, जिनके भी संबंध अधिकारियों से थे, सभी के बारे में वे आवश्यक जानकारी रखते थे। वास्तव में उनका एक मुख्य कार्य सबके व्यक्तिगत रिकॉर्डों की जांच करना था। आप प्रशिक्षु मजदूर ही हों, पर यदि आपके मां-बाप या रिश्तेदार महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं तो वह इसे हमेशा दिमाग में रखते। जैसे ही जरूरत पड़ती, वे आपकी "समुचित देखभाल" करते और आपके तथा आपकी "पृष्ठभूमि" के धागे से अपना जाल तैयार करने में नहीं हिचकते। इस बार वह इस जाल का प्रयोग "तीन करोड़" के लिए करने जा रहे थे।

दिन का काम समाप्त करने के पहले उन्होंने छ्येन श्याओपो के यूनिट में फोन करके छ्येन श्याओपो को शाम अपने घर भेज देने का संदेश दिया। उन्होंने यूनिट को यह भी बताया कि फिलहाल छ्येन श्याओपो को कोई काम न सौंपा जाए, क्योंकि कारखाने की पार्टी कमेटी के पास उसके लिए दूसरा जरूरी काम है।

३

तिङ मङ ने पहले ही महसूस कर लिया था कि चाङ आनपाङ ने चारों तरफ जाल बिछा रखा है। कारखाने के कुछ अधिकारियों ने उनसे बातें करते समय विभिन्न दृष्टिकोणों से "तीन करोड़" की जरूरत पर बल दिया। कारखाने में काम करने वाले उनके शहर के कुछ दोस्त और उनका भतीजा अस्थायी अतिथि गृह में उनसे अलग-अलग मिलने आए। उनकी बातचीत के पीछे भी चाङ आनपाङ के लंबे अंडाकार चेहरे की धुंधली छवि थी।

घेरा डालने की चाल के बढ़ने के साथ-साथ तिङ मङ का क्रोध बढ़ता गया। पर अजीब विरोधाभास था। उनका क्रोध जितना ही बढ़ा, ऊपर से वह उतना ही शांत होते गए। प्रिफेक्चर पार्टी कमेटी के कुछ पुराने परिचित और प्रांत के एक-दो बड़े वरिष्ठ कार्यकर्ता भी उनसे मिलने आए और "तीन करोड़" के संबंध में दिलचस्पी दिखाई, तिङ मङ ने अच्छी तरह महसूस किया कि चाङ आनपाङ जैसे व्यक्ति को आसानी से किनारे नहीं किया जा सकता। चाङ आनपाङ उस व्यक्ति से बिलकुल अलग थे, जिसे वे दस वर्षों पहले से जानते थे। उस समय उनकी उम्र तीस वर्ष से थोड़ी ज्यादा थी। युवा, निष्कपट, निष्ठावान और सौंपे गए काम को पूरी जिम्मेदारी से निभाने के गुणों से युक्त थे। हालांकि कुछ घमंडी थे, पर हमेशा अपनी आलोचना सुनने और स्वयं को सुधारने के लिए तैयार रहते थे। वस्तुतः वह संभावनायुक्त युवा कार्यकर्ता थे, जिन्हें प्रोत्साहन देना समुचित था। पर अब वह बदल गए थे। "अवसर अपने काम का आदमी स्वयं पैदा करता है" के वह साक्षात् उदाहरण थे।

"अपनी गंदी चालें बंद करें और सावधान हो जाएं, वरना पकड़े जाने पर गंभीर परिणाम होंगे।" तिङ मङ ने सीधे तौर पर ही यह बात चाङ आनपाङ से कही थी, चाङ आनपाङ कुछ सफाई देने के बजाए मुस्कराकर रह गए, जैसे कह रहे हों, "भला मैं निदेशक तिङ से चालबाजी कर सकता हूं?"

तिङ मङ ने महसूस किया कि चाङ आनपाङ पर जबानी बातों का कोई असर नहीं होगा, वह हर बात पर यों ही लापरवाही से मुस्करा देगा। जरूरी यह था कि "तीन करोड़" की यथाशीघ्र जांच पूरी कर ली जाए। उन्होंने इंजीनियर छ्येन वेइछुङ से सारी उम्मीदें लगा रखी थीं, जो शीघ्र ही आने वाले थे।

हल्का उद्योग ब्यूरो में अपने कार्य के पहले दिन ही उन्होंने अंधेरे कोने में ड्राइंग बोर्ड पर झुके इस असाधारण प्रतिभा के धनी व्यक्ति को पहचान लिया था। छ्येन वेइछुङ को देखते ही उनका पुराना रोष जागृत हो उठा था। "छ्येन वेइछुङ! किस फालतू काम में फंसे हुए हैं?" दस वर्ष पहले ही तिङ मङ ने बजट योजना से संबंधित छ्येन के लेख पढ़े थे। राष्ट्रीय निर्माण कमेटी द्वारा उसे निकाले जाने की घटना कल्पनातीत थी। पिछले नौ वर्षों से वह अपना विशेष क्षेत्र छोड़कर एक दूसरे पेशे में लगे हुए थे और कूड़ेखाने में रहते थे।

अंततः छ्येन वेइछुङ विनाइलॉन कारखाने पहुंचे।

जब वे जीप से नीचे उतरे तो निर्देशन कमेटी के सभी सदस्य चौंक पड़े, वे बूढ़े, आगे की ओर थोड़े झुके और बुद्धिजीवी जैसे लगते थे। तिङ मङ ने उनके संक्षिप्त नाम छ्येन कुङ (इंजीनियर छ्येन) से परिचय कराया, हल्का उद्योग विभाग में उन्हें सभी इसी नाम से जानते थे।

छ्येन वेइछुङ का व्यक्तित्व आकर्षक नहीं था, दरअसल वे काफी दुर्बल दिखते थे। उनकी आवाज बहुत ही नम्र थी। वे जब हाथ मिलाते थे तो झुककर देर तक हाथ पकड़े रहते थे। उन्हें पहली नजर में देखकर चाङ आनपाङ ने महसूस किया—घिघियाने वाला चापलूस! उनके अनुमान में छ्येन कुङ अपने उतार पर थे। पर चाङ आनपाङ ने बिना अक्खड़पन या चापलूसी दिखाए अपना आदर व्यक्त करने के साथ-साथ ही अपनी सौम्य मुस्कान द्वारा अपना आभार व उत्साह भी व्यक्त किया। वह आगे बढ़े, उनकी तोंद हिल रही थी, उन्होंने बड़े अंदाज में छ्येन कुङ से हाथ मिलाया और स्वागत में मुस्कराते हुए दो-चार शिष्टाचारी शब्द कहे। फिर पलटकर निर्देशन कमेटी के सभी सदस्यों से परिचित करवाया और नेता के रूप में अपनी इज्जत व प्रतिष्ठा की भी झलक दिखाई।

इसके विपरीत तिङ मङ ने आगंतुक को त्राणकर्ता के रूप में देखा। उन्हें मालूम था कि यह विशेषज्ञ एक ही नजर में इमारत की निर्माण लागत का सही अनुमान लगा लेगा। शाम को अपने अतिथि गृह में छ्येन कुङ के सामने बैठे तिङ मङ सीधे मुद्दों पर आ गए, "छ्येन कुङ, आपको पूरा अधिकार दिया जाता है। हम "तीन करोड़" की जांच के लिए पूरी तरह से आप पर निर्भर करते हैं।"

"नहीं, नहीं। यह मुझ पर नहीं, बल्कि नेताओं पर निर्भर करता है," छ्येन कुङ ने जल्दी से जवाब दिया।

"नेताओं की दूरदर्शिता के सिद्धांत को मैं इस तरह देखता हूं। जनता के सहयोग के बिना वे एक आंख के अंधे हैं और विशेषज्ञों के बिना उनकी दूसरी आंख भी काम नहीं करती। दोनों आंखों के अंधे नेता किसी काम के नहीं होते," तिङ मङ ने कहा। जब उन्होंने देखा कि छ्येन कुङ इस संबंध में और भी कुछ बोलना चाहते हैं तो उन्होंने बात बदल दी। उन्होंने "बजट रिपोर्ट" की फाइलें दराज से निकालीं और उन्हें टेबल पर रखा।

उन्होंने कहा, " सारा हिसाब-किताब इन फाइलों में है। यदि आपको किसी और रिपोर्ट की जरूरत हो तो मैं उसका इंतजाम कर दूंगा। अगर आप निर्माण-स्थल देखना चाहें तो निर्देशन कमेटी वाले किसी को साथ भेज देंगे। अब आप जो भी निर्णय लें, मैं उसकी जिम्मेदारी लूंगा। अब यह हमारा युगल कार्य है। आप बताएं, इसमें आपको कितने दिन लगेंगे?... भोजन? मैं भोजनालय से आपके कमरे में पहुंचा दूंगा।"

तिङ मङ ने "तीन करोड़" की जांच का पूरा अधिकार छ्येन कुङ को सौंप दिया। अगले दिन निर्देशन कमेटी की मीटिंग में उन्होंने स्पष्ट घोषणा की : "बजट की जांच में छ्येन कुङ की प्राथमिक और मेरी पूरक भूमिका है। छ्येन कुङ की हर बात मानी जाएगी।"

छ्येन कुङ चर्चा के विषय बन गए, सभी उन पर गौर करने लगे। हालांकि अभी तक नम्रता के साथ सिर हिलाने और शिष्टाचार के कुछ शब्द बोलने के अलावा वह कुछ और

नहीं कर रहे थे। उन्होंने बजट के सवालों को टालने की कोशिश की और जब बोलना ही पड़ा तो अस्पष्ट रूप से कुछ बोले। निस्संदेह वे किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहते थे।

"हमें क्या करना होगा?" "तीन करोड़" की जांच के लिए तिङ मङ के साथ आए हल्का उद्योग विभाग की निर्माण कमेटी के निदेशक ने चिंतित स्वर में पूछा। तिङ मङ की भौहें जुड़ी हुई थीं, वह कुछ सोच रहे थे। उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

छ्येन कुङ की तीव्र दुविधा का किसी को अनुमान नहीं हुआ। उस रात अपने कमरे में वह अकेले थे और उनके सामने "बजट रिपोर्ट" की फाइलें, स्लाइडरूल, कैलकुलेटर और अन्य कागजात पड़े थे। वे एकाग्रचित होकर बजट की फाइलें देख रहे थे और लगातार सिगरेट पी रहे थे। सिगरेट के घने धुएं से कमरा भरा था। जब भी रिपोर्ट में उन्हें कोई गलती मिलती, गुस्से में उनकी मुट्ठियां तन जातीं। पर धीरे-धीरे मुट्ठी ढीली हो जाती और वह सिर झटककर गहरी सांस लेते। वह स्वयं को असहाय महसूस कर रहे थे।

तिङ मङ उनसे कई बार मिलने आए और उन्होंने छ्येन कुङ के आंतरिक द्वंद्व को महसूस किया और पूछा भी। पर छ्येन कुङ ने अपने द्वंद्व को प्रकट नहीं किया और कहा, "ओह, कोई खास बात नहीं है।" वह तिङ मङ से कहते भी क्या? दस वर्षों से अधिक की जिंदगी के उतार-चढ़ाव ने उनका सारा उत्साह छीन लिया था और साहस को चकनाचूर कर दिया था। वह स्वयं को किंकर्तव्यविमूढ़ महसूस करने लगे थे।

वह आरंभ से ही तिङ मङ के सच्चे उत्साह और विश्वास से परिचित थे—पिछले दस या उससे अधिक वर्षों में आए बदलाव के पहले लोगों में यही उत्साह और विश्वास था—उन्हें तो यहां तक लगा कि कोई अज्ञात शक्ति उन्हें खींच रही है। जब उन्होंने देखा कि निदेशक होने के बावजूद वह स्वयं उनके लिए खाना ला रहे हैं और खाना रखते हुए प्रेम से बातें कर रहे हैं, तो छ्येन कुङ ने फिर से व्यक्त आदर की कद्र की और सौंपी गई जिम्मेदारी को तीव्रता से महसूस किया।

पर साथ ही अपनी पत्नी की कही बात भी नहीं भूल सके, जो उनके कार्य से अच्छी तरह परिचित थी। उनके यहां आने से पहले पत्नी ने समझाया था, "तुम अपने काम से काम रखना, समझे न? नेता जो करना चाहते हैं, उन्हें करने देना, ज्यादा चतुर बनने की कोशिश न करना। अन्यथा तुम्हारा फिर से पेइचिङ स्थानान्तरण कभी नहीं हो सकेगा।" इन शब्दों में पिछले कई वर्षों की तकलीफ और चिंता छिपी हुई थी। वास्तव में पति-पत्नी दोनों इस प्रयास में लगे हुए थे कि किसी तरह फिर से पेइचिङ स्थानान्तरण हो जाए; उन्हें लगने लगा था कि अपने जीवन के आधे हिस्से में ही सही पर वह अपनी योग्यता द्वारा उचित योगदान कर सकेंगे। किंतु अभी भी ढाक के वही तीन पात थे। उनका सामना उसी पुरानी नौकरशाही और स्वार्थी विभागवाद से हुआ, जिसने उनके असंतोष को और अधिक बढ़ाया ही। प्रायः वह गुस्से में कांपने लगते थे, पर उनका गुस्सा बेअसर सिद्ध होता।

कुछ समय पहले उन्होंने सुना था कि अंततः राष्ट्रीय निर्माण कमेटी ने उनके स्थानान्तरण की अनुमति दे दी है। पर वास्तव में प्रांतीय सरकार और कार्यालय में आकर मामला अटक

गया है तथा पिछले कुछ महीनों से कोई नई जानकारी नहीं मिली थी। जब तिङ मङ ने उनसे विनाइलॉन कारखाने के बजट की जांच के लिए कहा तो अपने पुराने पेशे के अदम्य प्रेम के कारण उत्साह में झट से तैयार हो गए। पर इस मामले में पड़ने के खिलाफ पत्नी के उलाहने के बाद उनकी समझ में आया कि एक बार काम शुरू हो जाने पर उनका यहां से निकलना असंभव हो जाएगा...।

खासकर इस संदर्भ में चाङ आनपाङ की संभावित विशेष भूमिका समझने के बाद उनका अंतर्द्वंद्व बढ़ गया। विनाइलॉन कारखाने में आने के दूसरे दिन उनके लड़के श्याओपो ने उन्हें बताया कि चाङ आनपाङ की पत्नी पार्टी की प्रांतीय कमेटी के संगठन विभाग में काम करती है और चाङ आनपाङ ने छ्येन कुङ का काम बदलने में मदद करने का वादा किया है। यह सुनकर उनकी खुशी का ठिकाना न रहा, उन्होंने कहा, "हमें उन्हें दिल से धन्यवाद देना चाहिए!"

हठात् उनकी आंखें बेटे की तिरस्कार भरी नजरों से मिलीं। "उन्हें धन्यवाद देंगे? क्या कह रहे हैं आप? आप केवल 'तीन करोड़' को मंजूरी दे दें, मैं तो यही कहूंगा।" उनके संदेह को मिटाने के लिए बेटे ने आगे कहा, "निस्संदेह वह इतना साफ-साफ नहीं कहेंगे। सचिव चाङ ने कहा है कि यदि आप अपने विशेष क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का सही उपयोग करना चाहते हैं तो हर आदमी मदद करने की कोशिश करेगा। उन्होंने यह भी कहा है कि मुझे दो दिन काम पर आने की जरूरत नहीं है। मैं आपकी देखभाल करूं। उन्होंने मुझसे आपको यह बताने के लिए कहा है कि विनाइलॉन कारखाने का निर्माण कार्य शीघ्र समाप्त करने के लिए हर तरफ से मदद की जरूरत है। क्या यह अपने आप में स्पष्ट नहीं है?"' अब छ्येन कुङ भी चाङ आनपाङ के जाल में फंस गए थे।

तीन दिन गुजर गए थे, पर छ्येन कुङ ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की थी।

चाङ आनपाङ सभी जगह पहले से अधिक शांत और स्थिर नजर आते और हंसकर बातें करते।

निर्देशन कमेटी के सभी सदस्य निश्चिंत थे कि "तीन करोड़" की मंजूरी मिल जाएगी जबकि हल्का उद्योग ब्यूरो के निर्माण विभाग के निदेशक और उप-निदेशक की चिंता बढ़ती जा रही थी।

तिङ मङ इन सबके बीच खामोश थे।

किसी को नहीं मालूम कि तिङ मङ किस बात की प्रतीक्षा में थे। पर उन्हें आभास हो गया था कि दूसरों की नजर बचाकर कुछ अप्रत्याशित चाल चली जा रही है, पर उन्होंने कुछ कहा नहीं। छ्येन कुङ जब भी निर्माण स्थल पर जांच के लिए जाते, उनकी भौंहें तनी होतीं। उनकी पुरानी नम्रता और सहमति की जगह चेहरे की गंभीरता और चुप्पी ने ले ली थी। चाङ आनपाङ ने भी छ्येन कुङ में आए इस परिवर्तन पर गौर किया और तिङ मङ के सामने पड़ने पर अज्ञात आशंका की भावना से डरे रहते थे।

एक दिन जल्दी ही बनकर तैयार होने वाले शयनागारों की जांच के समय अप्रत्याशित घटना घट ही गई।

प्रांतीय निर्माण ब्यूरो के नौवें विभाग के बजट योजनाकार ने कहा, "इन इमारतों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसमें प्रति वर्गमीटर में सौ य्वान की लागत आई है।"

"आप नहीं कह सकते कि निर्माण कार्य पूरा हो गया है, क्यों?" छ्येन कुङ दल के अन्य लोगों के साथ सफेद पोचारा की गई दीवारों वाले एक कमरे का निरीक्षण कर रहे थे। अपने आपको नियंत्रित करते हुए उन्होंने अत्यधिक नम्रता के साथ कहा, "खिड़की और दरवाजों को क्यों नहीं रंगा गया है? खिड़की के शीशे कहां हैं? रेलिंग? स्नानघर के पाइप? पाइप अभी तक नहीं लगाए गए हैं, लगाए गए हैं क्या?... और आप प्रति वर्गमीटर एक सौ नौ य्वान और उनचास फन खर्च कर चुके हैं!"

बजट योजनाकार ने बात संभालने की कोशिश की, "मैं स्वीकार करता हूं कि निर्माण लागत कुछ अधिक है। पर यह निर्माण बिलकुल नक्शे के अनुसार किया गया है और क्वालिटी भी अपेक्षाकृत ऊंची है।"

"मैं आश्वस्त नहीं हूं। क्वालिटी के बारे में भी संदेह है।" छ्येन कुङ ने सफेद दीवार को जोर से धक्का दिया तो वह हिलने लगी।

"बीच की दीवारें नक्शे के अनुसार ईंटों से नहीं, फट्टों से बनी हैं। यह सब कुछ नक्शे के अनुसार ही बनाया गया है।"

लगातार दी जाने वाली सफाई से छ्येन कुङ का गुस्सा बढ़ता गया। वह अपने हाथों से दीवार को धक्का देते रहे। दीवार खरतनाक ढंग से हिल रही थी और साथ ही चूने-गारे के टुकड़े गिर रहे थे।

"नक्शे के अनुसार फट्टों की ऐसी दीवार बनाई गई है?" छ्येन कुङ ने पूछा। जब छ्येन कुङ ने देखा कि बजट योजनाकार सफाई में फिर से कुछ बोलने जा रहे थे तो उनकी आंखें क्रोध से और अधिक लाल हो उठीं। उन्होंने एक हाथ से योजनाकार की तरफ इशारा करते हुए और दूसरे हाथ से दीवार पर जोरदार मुक्का मारते हुए थोड़े तेज स्वर में कहा, "आप नक्शा ले आएं। जाएं, अभी लेकर आएं। मुझे विश्वास है कि नक्शे में फट्टों की दीवार होगी, पर निश्चित ही फट्टों की ऐसी दीवार नहीं होगी। चूना हटाकर देखा जा सकता है कि इसमें कैसी सामग्री लगाई गई है। आपने सामग्रियों के प्रयोग में कम से कम एक-तिहाई की बेईमानी की है।" उन्होंने दीवार को फिर से धक्का दिया और अपने अनुमान को सही किया, "शायद चालीस प्रतिशत... आप यह न सोचें कि दीवार पर चूना पोतकर आप अंदर की सभी चीजें छिपा लेंगे। नियम के अनुसार आपको यह दीवार तोड़कर फिर से बनानी चाहिए।"

बजट योजनाकार का चेहरा लाल हो उठा। खामोशी छा गई। सभी ने नम्र और सीधे छ्येन कुङ के पूर्णतः विपरीत स्वभाव को देखा। तिङ मङ रोष में थे, मन ही मन कोस रहे थे, "पिछले वर्षों में छ्येन कुङ जैसे विशेषज्ञों को दरकिनार रखा गया। निरी मूर्खता ही तो थी! इन्हीं वजहों से हम पिछड़े हुए हैं।"

उस रात तिङ मङ छ्येन कुङ के कमरे में आए और सीधा सवाल पूछा, "अच्छा, यहां की समस्या आपकी समझ में आई?"

"हां..."

"आप क्या सोच रहे हैं?" तिङ मङ ने मेज पर पड़ी बजट रिपोर्ट की कुछ कॉपियों को उठाया और दूसरे हाथ से उन्हें झटकते हुए कहा, "इनमें तो कोई समस्या नहीं है?"

छ्येन कुङ की पेशानी पसीने से गीली थी। उन्हें झिझक हो रही थी; उन्होंने एक और सिगरेट निकाली। तिङ मङ बैठ गए और सिगरेट सुलगाने के लिए उन्होंने तीली जलाई। फिर किसी पुराने हमदर्द दोस्त की तरह कहा, "आपकी जो भी परेशानी हो, खुलकर बताएं। अपने दिल में रखकर स्वयं को परेशान न करें।"

थोड़ी देर के बाद छ्येन कुङ ने साहस बटोरा और बताया कि उन्हें उम्मीद है कि ब्यूरो पेइचिङ स्थानान्तरण कराने में उनकी मदद करेगा। निस्संदेह बजट की जांच में वह पूरी सहायता करेंगे।

"ओह, यह सौदेबाजी है। क्या आप जांच करने के लिए मोल-भाव करना चाहते हैं?" तिङ मङ चौंककर अचानक खड़े हो गए। हालांकि एक दिन पहले ही उन्होंने ब्यूरो को फोन करके आग्रह किया था कि वे छ्येन कुङ के यथाशीघ्र स्थानान्तरण को मंजूरी दे दें, उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि छ्येन कुङ इस तरह की बातें करेंगे। उन्होंने आगे कहा, "अच्छा! आप इस काम के लिए अपने स्थानान्तरण की शर्त रखना चाहते हैं! कहीं इसका अर्थ यह तो नहीं कि यदि आपके स्थानान्तरण की मंजूरी नहीं मिली तो आप यह काम नहीं करेंगे?"

छ्येन कुङ का चेहरा शर्म और पश्चाताप से रक्तिम हो गया। तिङ मङ कमरे में टहलते रहे। अचानक मेज के पास आकर उन्होंने बजट की सारी रिपोर्टों को इकट्ठा किया और छ्येन कुङ की तरफ बढ़ाते हुए बोले, "यदि आप चाहते हैं तो इस "तीन करोड़" को अपनी स्वीकृति दे दें। आपको पहले ही से पूरा अधिकार दिया जा चुका है। आप बजट विशेषज्ञ हैं, मैं इसे आपके विवेक पर छोड़ता हूं। आप जो भी निर्णय लें।"

अगले दिन सुबह निर्माण विभाग के निदेशक जब तिङ मङ का दरवाजा खोलकर अंदर घुसे तो तिङ मङ मेज पर झुके हुए थे। भूरे रंग का ओवरकोट उनके कंधों पर पड़ा था और हाथ पर माथा टेके वह किसी गहरे सोच में डूबे हुए थे। खिड़की के शीशे पर जमे कुहासे से छनकर कमरे में आने वाली प्रभात की हल्की रोशनी मेज पर रखे लैम्प की पीली रोशनी के साथ मिलकर माथे की शिकनों को प्रकाशित कर रही थी। लगता था काफी देर से वह किसी गहरे सोच में डूबे हुए थे।

"लाओ तिङ, आप रातभर सोए नहीं?" निदेशक ने कमरे में घुसते हुए पूछा। "छ्येन कुङ के कमरे की बत्ती भी रातभर जली रही।"

"हूं..." तिङ मङ ने धीरे से गर्दन हिलाकर संकेत किया कि वह जानते हैं।

"यह चिंता का विषय है, है कि नहीं? अभी भी हम नहीं समझ पा रहे हैं कि "तीन करोड़" को कैसे कम किया जाए।" निर्माण विभाग के निदेशक ने बैठकर गहरी सांस लेते हुए पूछा, "लाओ तिङ, आप इससे फिर रातभर अत्यधिक परेशान रहे, है न?"

"मैं सोच रहा था कि "तीन करोड़" में कटौती होने के बाद क्या करना पड़ेगा... हां, कटौती के बाद यह समस्या है... कारखाने का निर्माण कार्य पूरा करने के लिए हमें विशेष योजना के अनुसार काम करना होगा..."

तिङ मङ का जवाब सुनकर निर्माण विभाग के निदेशक की आंखें खुली की खुली रह गईं।

४

अगले दिन संयुक्त निर्माण निर्देशन कमेटी द्वारा "तीन करोड़" की जांच से संबंधित बुलाई गई सभा में भयंकर विस्फोट हुआ।

"छ्येन कुङ, कृपया ब्यूरो की तरफ से कुछ बोलें," तिङ मङ के यह कहने पर सभी ने समझा कि सभा समाप्त होने वाली है। घने धुएं में लिपटे हर चेहरे में थोड़ी हरकत हुई। निश्चिंत भाव और प्रसन्न मुद्रा में छ्येन कुङ के आरंभिक शिष्ट शब्द सुनाई पड़े; सभी मान कर चल रहे थे कि "तीन करोड़" की स्वीकृति की सूचना दी जाएगी। पर अचानक सभी के चेहरे को काठ मार गया, यहां तक कि कमरे में भरा धुआं भी अपनी जगह ठहर गया। क्या? **प्रस्तावित पूरक बजट और वास्तविक जरूरत के बीच "बहुत बड़ा अंतर" था?... चाङ आनपाङ** भी स्तब्ध रह गए। लोगों ने एक-दूसरे को देखा और फिर छ्येन कुङ पर सभी की निगाहें टिक गईं।

पतले-दुबले और कद में छोटे छ्येन कुङ सावधानी के साथ शिष्ट शब्दों में अपनी बात कह रहे थे, "मुझे उम्मीद है कि आप गलत न समझेंगे। मैं सिर्फ अपनी राय रख रहा हूं और यह भी अभी पूर्ण नहीं है। निस्संदेह किसी के निर्णय में भूल का होना अपरिहार्य है, पर उपलब्ध तथ्यों के प्रारंभिक विश्लेषण से मेरी यह धारणा बनी है। यह अंतर... एक बड़ा अंतर है। हां, अभी तक मैंने विस्तृत गणना नहीं की है।"

कुछ सदस्य नाराज हो गए। "चंद दिनों में बजट रिपोर्टों पर एक सरसरी निगाह डालकर आपने उसे अस्वीकृत कर दिया, जबकि इसे तैयार करने में एक महीने से ज्यादा लगा और हर मद पर बार-बार विचार किया गया। 'विस्तृत गणना और विश्लेषण' के बजाए 'प्रारंभिक विश्लेषण' पर यह निर्णय अवश्य ही जल्दी में लिया गया है।"

स्तब्धता समाप्त होने पर चाङ आनपाङ ने सूक्ष्मता से गौर किया कि कैसे छ्येन कुङ ने अपनी बात को सुधारा। बजट के "बहुत बड़े अंतर" को बाद में उन्होंने "एक सीमा तक अंतर" कहा। उन्होंने कल की फट्टों की दीवार वाली घटना भी याद की, कैसे सफाई दिए जाने पर छ्येन कुङ क्रोधित हो गए थे। अपनी कुर्सी पर पीछे खिसकते हुए हाथ उठाकर फिर नीचे लाते हुए उन्होंने कहा, "पहले छ्येन कुङ को अपनी बात समाप्त करने दें। हम लोग कई दिनों तक उन्हें सारी रिपोर्ट देने के लिए परेशान रहे। छ्येन कुङ यहां जांच कार्य के लिए आए हैं, यह नहीं हो सकता कि वह अपने विचार न रखें। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं, वह विनाइलॉन कारखाने के बारे में सचमुच चिंतित हैं।" इतना कहकर पहले की तरह मुस्कराते हुए उन्होंने छ्येन कुङ की तरफ देखा। उनकी आंखों ने उनकी आन्तरिक शक्ति और नम्रता व्यक्त की और इससे भी अधिक उन आंखों में छ्येन कुङ के प्रति विश्वास और आदर का भाव था।

पर तिङ मङ ने हाथ बढ़ाकर सबको संबोधित किया, "यदि आप सहमत नहीं हैं तो छ्येन

कुङ के विरोध में तर्क दें। केवल सांस थामकर बैठे न रहें। सब लोग अपनी-अपनी राय रखें, इस सभा का यही तात्पर्य है; है कि नहीं छ्येन कुङ?" उन्हें मालूम था कि पिछली रात छ्येन कुङ सो नहीं पाए थे और वह अभी-अभी व्यक्त छ्येन कुङ की "धारणा" के अंतर्निहित अर्थ को भी समझ रहे थे। वह चाहते थे कि हर तरफ से पैसा बटोरने वाले छ्येन कुङ को उत्तेजित करें।

सभा में बैठे लोगों में कुछ तिङ मङ और चाङ आनपाङ के तीव्र संघर्ष को समझ नहीं पाए। दोनों ने परस्पर विरोधी और विपरीत दृष्टिकोण रखा था। पिछले कई वर्षों से प्रांतीय निर्माण कंपनी के नौवें विभाग में काम करने वाले एकाउंटेंट कुङ गुस्से में खड़े हो गए। उनकी उम्र तीस से अधिक थी। उनके चेहरे का रंग सांवला था और उन्होंने पीले फ्रेम का चश्मा पहन रखा था, जिसके अंदर से उनकी तेज और थोड़ी उभरी आंखें चमक रही थीं। उन्होंने बजट तैयार करने की पूरी कहानी और उसमें उल्लिखित खर्चों का पूरा लेखा-जोखा प्रस्तुत किया ताकि "तीन करोड़" की गंभीर जरूरत सिद्ध की जा सके। उन्होंने आंकड़ों की प्रामाणिकता और उसमें आई बढ़त की जरूरत को दोहराया। अंत में अपने सामने बैठी पाए शा की तरफ इशारा करके उन्होंने कहा, "पक्ष क की कामरेड ने भी बजट में बताए आंकड़ों की पूरी जांच की है।" चूंकि वित्तीय मामलों में आम तौर पर पक्ष क और ख अवश्यम्भावी रूप से विपरीत मत रखते हैं, इसलिए एकाउंटेंट कुङ के इस अंतिम वाक्य में अधिक वजन था। लोग उनके विचार से अपनी सहमति जताने लगे जबकि सामने बैठी पाए शा आंखें झुकाए मेज को घूर रही थीं; उन्होंने कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दिखाई।

पाए शा को छ्येन कुङ की तरफ देखने का साहस न हुआ। प्रौढ़ इंजीनियर अपने पुराने रूप से बिलकुल अलग जीर्ण-शीर्ण और मरियल लग रहे थे, हालांकि पाए शा ने उन्हें शिक्षक के रूप में सबसे अधिक सम्मान दिया और जीवनभर उनके प्रति कृतज्ञ रहीं। १९६५ में पाए शा की उम्र केवल बाईस वर्ष थी और उस समय उनका नाम ली फेइ था। वास्तुशिल्प में डिग्री हासिल करने के बाद राष्ट्रीय निर्माण कमेटी के द्वारा चलायी जाने वाली बजट योजना की प्रशिक्षण कक्षा में उन्हें नामांकित किया गया था। छ्येन कुङ उस समय प्रशिक्षण कक्षा में तकनीकी विषयों के प्रभारी थे। पिछले कुछ दिनों में पाए शा इतना साहस नहीं जुटा पाई थीं कि पुराने परिचय को नया कर सकें।

सभा में छ्येन कुङ पूरे आत्मविश्वास के साथ नहीं बोल रहे थे, झिझक अभी भी मौजूद थी। बोलते समय वह उपयुक्त शब्दों की यों तलाश कर रहे थे मानो पानी व कीचड़ पार करने के लिए उभरी हुई ईंटें खोज रहे हों। इससे बचाव पक्ष वालों का हौसला बढ़ा। पर उनके द्वारा बार-बार "सही गणना" या "आवश्यक शर्त" दुहराने और पेश करने के कारण छ्येन कुङ का क्रोध और बढ़ा। उनके सामने बैठे सौम्य और शिष्ट लोगों के चेहरे आवश्यक शर्तों और सरकारी आंकड़ों में बदल गए थे। छ्येन कुङ के चेहरे से भी विनम्रता गायब थी और वह चीर कर रख देने वाली नजरों से सभी को घूर रहे थे।

"पक्ष ख अपनी व्यवस्था का खर्च कितना पाता है?" उन्होंने अपना पहला सवाल पूछा।

"सरकारी अनुबन्ध के अनुसार वह १८ प्रतिशत का अधिकारी है," एकाउंटेंट कुङ ने चश्मे के पीछे आंखों को नचाते हुए सीधा और खरा उत्तर दिया।

"इसमें आप भूल तो नहीं कर रहे?"

"बिलकुल नहीं।" परेशान होकर उन्होंने अनुबन्ध और अधिनियम की मोटी पुस्तक के पन्ने पलटे। एक पेज पर रुककर उन्होंने खुली किताब मेज पर रख दी और कहा, "यह १९७७ का प्रांतीय क्रांतिकारी कमेटी का अनुबंध है : १८ प्रतिशत... १९७७ के पहले यह १७ प्रतिशत था। उस वर्ष के बाद इसे बदलकर १८ प्रतिशत किया गया। मैं कोई भूल नहीं कर रहा।"

इसी समय किसी ने फुसफुसाकर कहा, "बजट विशेषज्ञ पिछले कुछ वर्षों से अपने पुराने पेशे में नहीं हैं। उन्हें केवल पुराना १७ प्रतिशत याद है..."। चाङ आनपाङ ने मौके का फायदा उठाकर छ्येन कुङ की झेंप व घबराहट मिटाने की कोशिश की। वह मुस्कराते हुए बोले, "छ्येन कुङ पिछले कुछ वर्षों से दूसरे काम को निबटा रहे थे और बजट संबंधी कामों के लिए उन्हें समय नहीं मिल पाया। संभव है कि कुछ धाराओं में आए परिवर्तनों की उन्हें उतनी जानकारी न हो। व्यवस्था संबंधी खर्चों में १८ प्रतिशत तक की बढ़ोतरी नई है। निस्संदेह यदि हम पैसे बचाने के लिए इसे घटाकर १७ प्रतिशत कर सकें तो बहुत अच्छी बात होगी।"

छ्येन कुङ बिगड़कर बोले, "१८ प्रतिशत का मतलब १८ प्रतिशत ही है। आप इसे यों ही १७ प्रतिशत कैसे कर सकते हैं? सवाल यह नहीं है कि आप उसे १७ प्रतिशत कर सकते हैं या नहीं? राज्य के अनुबंधों का अक्षरशः पालन होना चाहिए और प्रतिशत को घटाया या बढ़ाया नहीं जाना चाहिए। यह सोच समझकर तय किया जाता है, समझे कि नहीं?" आगे के संदेहों को भी मिटाने के स्वर में उन्होंने कहना जारी रखा, "जिन्हें राज्य के अनुबंधों की सही जानकारी नहीं है, उन्हें बजट पर किसी प्रकार की बहस करने का अधिकार नहीं है। एकाउंटेंट कुङ ने प्रांतीय क्रांतिकारी कमेटी के जिस दस्तावेज को अभी-अभी दिखाया, मैं जानता हूं कि यह १९७७ का है और इस दस्तावेज का नम्बर ३९ है, ठीक है न? खर्च संबंधी नए नियम उसी वर्ष १ मई से लागू हुए। उस दस्तावेज में पांच धाराएं और दो व्याख्यात्मक टिप्पणियां हैं, हैं कि नहीं?"

अब सभी की आंखें छ्येन कुङ से पलटकर एकाउंटेंट कुङ पर टिक गईं। वह दस्तावेज को पलट रहे थे और एक भी शब्द बोलने में असमर्थ दिख रहे थे।

"पर यह अनुबंध निर्माण के लिए है, न कि व्यवस्था संबंधी खर्चों के लिए, समझे?" छ्येन कुङ थोड़ी देर के लिए रुके और फिर "तीन करोड़" की बजट रिपोर्ट को खोलकर एक पेज की तरफ इशारा करके बोले, "यहां रासायनिक औद्योगिक पाइप की व्यवस्था के खर्च के लिए क्यों निर्माण संबंधी सूत्र को अपनाया गया है? व्यवस्था और निर्माण संबंधी खर्चों को एक ही सूत्र से देखा गया है? कहीं आप यह तो नहीं कहना चाहते कि संस्थापना संबंधी खर्च दूसरे सूत्र से दिए जाते हैं, इसकी आपको जानकारी नहीं? ईमानदारी से बताएं!"

"मैं स्वीकार करता हूं कि खर्च के ब्योरों में अंतर है..." हार मानकर एकाउंटेंट कुङ ने नाक पर नीचे खिसक आए चश्मे को ऊपर चढ़ाते हुए कहा।

"आप जितने के अधिकारी हैं उससे अधिक? या कम? आपको यह स्पष्ट करना है।"

"निस्संदेह, यह थोड़ा अधिक है।"

"यह 'थोड़ा' कितना है? बजट बनाने वाले हमारे कॉमरेडों को स्पष्टीकरण के लिए अरबी अंकों का प्रयोग करना चाहिए।"

"इतनी जल्दी यह बता पाना मुश्किल है। आप जानते हैं अलग-अलग प्रकार के पाइप हैं और उनकी कीमतें भी भिन्न हैं। उनकी व्यवस्था संबंधी दिक्कतें और इसी कारण उन पर आनेवाला खर्च भी एक-सा नहीं है..."

"तो क्या संख्या है? आप पहली संख्या बताएं? आपको तो अवश्य ही मालूम होना चाहिए।"

एकाउंटेंट कुङ घबराहट में पसीने से सराबोर थे, उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करें या क्या बोलें।

छ्येन कुङ ने अपना सारा क्रोध दबाकर धीमे स्वर में कहा, "मैंने एक मोटा हिसाब लगाया है। ३२० टन इस्पात की पाइपें बिछाई गईं। अलग-अलग टनों की अलग-अलग कीमत के अनुसार हम हिसाब करें। इसके बाद सभी को जोड़ दें तो यह राशि १,४३,६५,००० य्वान होती है, यह पाइप बिछाने का खर्च है। इसके बदले में निर्माण का सूत्र अपनाकर आपने २३,३३,००० य्वान अधिक मांगे हैं। यही आपका 'थोड़ा अधिक' है, मैं आप लोगों को बता रहा हूं २३,३३,००० य्वान।"

"निर्देशन कमेटी खर्च पूरा करने के इस आग्रह से सहमत थी..." विषम परिस्थिति में फंसे एकाउंटेंट कुङ ने बुदबुदाकर कहा।

छ्येन कुङ असहमति में सिर हिला रहे थे। उन्होंने कहा, "यह नहीं चलेगा। चाहे कोई भी इससे सहमत हो, पर यह नहीं चलेगा। खर्च पूरा करने के लिए दी जाने वाली राशि राज्य के आर्थिक अधिनियमों के अनुसार होती है। यह तय है और इस पर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता।"

सभा कक्ष में मौत का सन्नाटा छाया रहा।

तिङ मङ ने चाङ आनपाङ की ओर देखा। उन्होंने सीधे मगर व्यंग्यपूर्ण शब्दों में कहा, "अच्छा, निर्देशन कमेटी की सहमति से ऐसा है। क्या इसका अर्थ यह कि आप इस संबंध में कामरेड चाङ आनपाङ के भी विचार जानना चाहते हैं।"

चाङ आनपाङ ने जल्दी से जवाब दिया, "निस्संदेह सभी बातों के लिए मैं दोषी ठहराया गया हूं, पर मैं स्पष्ट कर दूं कि मैं इन सारे तकनीकी मुद्दों को अच्छी तरह नहीं समझता..." वह सफाई दे रहे थे कि उनकी आंखें प्रांतीय निर्माण कंपनी के नौवें विभाग के अधिकारी की असंतुष्ट नजरों से मिलीं और उन्होंने अपना स्वर बदल दिया। "पर इतना निश्चित रूप से कह सकता हूं कि मैं परिस्थिति से अच्छी तरह परिचित था और मैंने सहमति व्यक्त की थी। मैं अच्छी तरह जानता हूं कि प्रांतीय निर्माण कंपनी के सामने वास्तविक और व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। सब मिलाकर मुझे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।"

"आपको फिर से जिम्मेदार ठहराया जा रहा है?" तिङ मङ ने पूछा।

"मैं अपनी आत्मालोचना करूंगा।"

"बड़ा आसान है, है कि नहीं? जो सब हो रहा है, इससे आप पूर्णतः परिचित थे। दूसरे शब्दों में आप जानबूझकर आर्थिक नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। आपको पार्टी द्वारा अनुशासित किया जाएगा और राज्य के कानून के अनुसार सजा दी जाएगी।"

तिङ मङ के इन शब्दों को सुनने के बाद चाङ आनपाङ सारी बातों के लिए स्वयं को जिम्मेदार ठहराये जाने की बात पर नहीं टिके रहे। उन्होंने स्वीकार किया, "सच यह है कि मैं बजट के विस्तृत और विशेष कोटा के बारे में अधिक स्पष्ट नहीं हूं..."

"तो कौन स्पष्ट है? क्या पक्ष ख द्वारा आपको धोखा दिया गया?... आज पक्ष ख के बारे में मैं विचार नहीं कर रहा हूं। निर्माण ब्यूरो बाद में उससे निबटेगा। अत्यधिक अनुमान द्वारा धोखे से निकाली गई राशि देर-सबेर आपके हाथों में चुभेगी, आप जानते हैं? हल्का उद्योग के निदेशक की हैसियत से आप मुझे एक सवाल पूछने दें। क्या पक्ष क का कोई सदस्य बजट के आंकड़ों के संबंध में स्पष्ट नहीं है?" तिङ मङ की तेज निगाहें पाए शा पर पड़ीं और उन्होंने पूछा, "कॉमरेड पाए शा, आप क्या कहती हैं? क्या आप बजट के बारे में स्पष्ट हैं?"

तिङ मङ का गुस्सा देखकर छ्येन कुङ ने थोड़ी परेशानी महसूस की। वह पाए शा के बगल में बैठे हुए थे और सलाह देने के लहजे में शांत शब्दों से उन्होंने कहा, "यदि बजट योजनाकार ने अपना विषय अच्छी तरह से नहीं सीखा और अपने पेशे में दक्षता हासिल नहीं की तो यह अच्छी बात नहीं है।" पाए शा की मोटी काली पलकें कांपती हुई झुकीं।

तिङ मङ ने पूछा, "पाए शा, क्या आप भी यह कहने जा रही हैं कि आप नहीं समझतीं या बजट के आंकड़ों के बारे में अधिक स्पष्ट नहीं हैं? आप जानती हैं, इस तरह आप भी इस धोखाधड़ी से स्वयं को बचा लेंगी।"

"मैंने कुछ भी नहीं कहा है।" पाए शा ने धीरे से नजर उठाकर तेज स्वर में कहा। वह हल्के क्रोध में थीं। सभा का वातावरण और अधिक तनावपूर्ण हो गया। सभी सदस्य अपनी सांस रोके इस प्रतीक्षा में बैठे थे कि देखें सभा किस दिशा में बढ़ती है। वे सभी पाए शा के व्यक्तित्व और स्वभाव से अच्छी तरह परिचित थे।

तिङ मङ ने अपने हाथों से मेज का सहारा लेते हुए खड़े होकर कहा, "अपनी आलोचना करने के बजाय आप लोग सोच रहे हैं कि आप लोग सही हैं और आपके विरोध में कोई भी एक शब्द नहीं बोल सकता। यही बात है न?... पर आप यह नहीं भूलें कि आप राज्य के अधीन कार्यकर्ता हैं। राज्य आपको पैसे देता है कि आपको कुछ काम करना चाहिए। संरचनात्मक कार्य न करने से आपको कोई दोषी नहीं ठहरा सकता, पर आपको जिम्मेदारी का बोध तो होना चाहिए..." तिङ मङ ने पूरी कोशिश के साथ शांत स्वर में अपनी बात जारी रखी, "अच्छा, इस क्षण हम आपकी बात छोड़ते हैं। इस संबंध में हम बाद में विचार करेंगे। छ्येन कुङ, आप अपनी बात जारी रखें।"

छ्येन कुङ ने पाए शा और तिङ मङ की ओर देखा, उन्होंने अपनी नोटबुक खोली और

हर पेज पलटने के साथ एक के बाद एक गलतियां बताते गए। इनमें से कुछ गलतियां प्रांतीय निर्माण कंपनी के नौवें विभाग ने की थीं और अधिकांश गलतियां पक्ष क—विनाइलॉन कारखाने की थीं। धोखाधड़ी की राशि तुरंत ही २३,३३,००० से बढ़कर ५०,००,००० हो गई।

इस तरह, एक ही सुबह में तीन करोड़ में से पचास लाख घट गए।

५

चाङ आनपाङ अब छ्येन कुङ के महत्व से इंकार नहीं कर सके। उन्हें अच्छी तरह अहसास हो गया कि छ्येन कुङ अब तक की गई जांच की ही तरह हर चीज की आगे भी जांच करते रहे तो जल्दी ही बजट की और पिछले कुछ वर्षों के अंतिम खातों और गोदामों की सामग्रियों की भी पूरी जांच होगी। तब वह गंभीर मुश्किलों में फंस जाएंगे। निश्चित ही वह यह जोखिम नहीं उठा सकते थे।

वह अतिथि गृह में छ्येन कुङ से मिलने आए। उनके चेहरे पर नम्र मुस्कराहट फैली रही और उन्होंने "तीन करोड़" के संबंध में एक शब्द भी नहीं कहा। इसके बदले उन्होंने छ्येन कुङ को यह बताया कि वह विशेषकर उनके स्थानान्तरण से संबंधित सूचना देने आए हैं। उन्होंने कहा कि थोड़ी देर पहले उनकी अपनी पत्नी से फोन पर बातचीत हुई है। उनकी पत्नी ने उन्हें सूचना दी है कि पार्टी की प्रांतीय कमेटी का संगठन विभाग जल्द ही उनके स्थानान्तरण को मंजूरी देने जा रहा है। चाङ आनपाङ का मित्रवत व्यवहार छ्येन कुङ की उम्मीद से बाहर था, वह स्वाभाविक रूप से कृतज्ञ महसूस कर रहे थे।

"मैंने तो कुछ भी नहीं किया!..." चाङ आनपाङ ने अपना हाथ हिलाते हुए कहा। "निर्णय लेने का अधिकार संगठन विभाग को है। मैंने तो केवल कुछ टांके भिड़ाए बस। सिद्धांततः किसी को ऐसे टांके भिड़ाने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए..." गहरी सांस लेकर उन्होंने अपनी बात आगे बढ़ाई, "पर मुझे उम्मीद है कि आप अभी की स्थिति में जटिल वैयक्तिक संबंधों के महत्व को समझते होंगे। इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता भी तो नहीं..." उठकर चलने के समय उन्होंने छ्येन कुङ की तरफ से अटकल लगाने की कोशिश की, " अभी भी अंतिम बाधा को दूर करना बाकी है और यह है हल्का उद्योग ब्यूरो... फिर भी, हम इसके लिए भी कोई रास्ता निकालेंगे..." जब छ्येन कुङ ने कृतज्ञता व्यक्त करनी चाही तो वह बीच में टोककर बोले, "नहीं, नहीं। आप इसे सहायता नहीं कह सकते। विनाइलॉन कारखाने में आपके आने से हमारे काम में बहुत सहायता मिली है... छ्येन कुङ, बजट के बारे में मैं तो इतना ही कहूंगा कि हमारी इच्छाओं का कोई अर्थ नहीं है। आपको जो सही लगे, वही करें। इससे हमें थोड़ी कठिनाई हो सकती है... पर यदि कठिनाई भी होती है तो होने दें। निस्संदेह पिछले कुछ वर्षों से निर्माण कार्यों में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों को आप समझते होंगे। हूं..." चाङ आनपाङ ने गहरी सांस ली, उनकी अगली बातों में उनकी परेशानी झलक रही थी, "मुझे केवल यह डर है कि निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाएगा। दस करोड़ से अधिक की पूंजी

और हजारों मजदूरों के बावजूद हम काम में वह गति नहीं ला सके। यह नुकसान मेरी जानकारी में किसी और चीज से अधिक है।''

चाङ आनपाङ के दिमाग में कब क्या घूम रहा है, इसकी जानकारी किसी को नहीं मिल पाती थी। जब वह घर में अपने सोफे पर बैठे उधेड़बुन में लगे हुए थे, तभी उनकी बेटी हाएयेन आकर सोफे की बांह पर बैठ गई, उसने पूछा, ''पापा, कारखाने के सभी लोग कह रहे हैं कि 'तीन करोड़' की गड़बड़ी के आप जिम्मेदार हैं। क्या यह सच है? वे यह भी कह रहे हैं कि तिङ अंकल से आपका झगड़ा हो गया है, क्या यह भी सच है?'' बेटी के सवालों ने उन्हें परेशान कर दिया, पर उन्होंने अपनी खीझ जाहिर नहीं की। वह अपनी इकलौती बेटी को अत्यंत प्यार करते थे। ''सांस्कृतिक क्रांति'' के दौरान जब वे 'गौशाला' में रहते थे, उस समय हाएयेन की उम्र सात वर्ष थी। वह हर रोज लोगों के उपहास और तानों के बीच से विलो पत्ते की तरह खामोश गुजरकर उनके लिए खाना लाती थी और अपने अंगूठों के बल खड़े होकर उनकी आंखों के कोनों से आंसू पोंछने की कोशिश करती थी। उन्होंने बेटी का हाथ थपथपाकर कहा, '' चिंता न करो। तिङ अंकल और मैं दोनों ही भलाई चाहते हैं। हम दोनों खर्च को अधिक से अधिक कम करने की कोशिश कर रहे हैं...'' उन्होंने अपनी बेटी की शरारती नजरों पर गौर किया और आगे बोले, ''तुम्हें अभी भी संदेह है? तुम यह सोच सकती हो कि तुम्हारे पापा तुमसे झूठ बोलेंगे क्या? बजट का काम करने वाले कुछ कॉमरेडों ने लापरवाही से काम किया है...'' उनकी बेटी ने उनका विश्वास कर लिया, पर वह बेचैनी महसूस करने लगे। वह नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी को सच्चाई का पता चले... पर यह पूरी तरह से संभव नहीं था। साथ ही वह यह भी नहीं चाहते थे कि बेटी से झूठ बोलें। उनके सीने में अभी भी पिता का दयालु हृदय था।

अपने दिमाग से परेशानियों को निकालने के लिए वह खड़े होकर कमरे में चहलकदमी करने लगे। खिड़की से उन्हें तिङ मङ और श्याओपो साथ-साथ टहलते दिखाई पड़े। उन्हें बेहद आश्चर्य हुआ, उनका ध्यान तुरंत ''तीन करोड़'' पर चला गया। यह समय अत्यंत नाजुक था और अभी वह ढील नहीं बरत सकते थे।

तिङ मङ छ्येन कुङ से मिलने जा रहे थे। छ्येन कुङ मेज के पास अकेले उदास बैठे सिगरेट पी रहे थे। उस दोपहर अपने बेटे श्याओपो से उनका झगड़ा हो गया था। श्याओपो उनसे कह रहा था, ''यदि तीन करोड़ है तो आप उसे तीन करोड़ रहने दें। तिल को ताड़ बनाने की क्या आवश्यकता है? मैं नहीं समझता कि आप जैसे मृत दिमाग वाला कोई व्यक्ति अभी भी बचा होगा।'' उन्होंने बेटे की सलाह को ठुकरा दिया। हालांकि इस झगड़े ने उनकी आंखें खोल दीं : चाङ आनपाङ की अभी भी यही इच्छा है कि वह अधिक गहराई में न जाएं, विशेषकर गोदाम वाले मामले में। पिछले कुछ वर्षों से निर्माण कार्यों में आने वाली कठिनाइयों से वह अच्छी तरह परिचित थे। ऐसे में कारखाने की परियोजना कभी पूरी नहीं होगी? यह पूर्णतः संभव था।

उन्हें ऐसा लगा कि तिङ मङ गोदाम वाले मामले के सिलसिले में बातचीत करने आए

है। "निदेशक तिङ..." वह अपनी परेशानियां बताना चाहते थे, पर तिङ मङ बीच में ही बोले, "नहीं, मैं यहां आपको समझाने नहीं आया हूं, इसकी जरूरत भी नहीं है। आपको गोदाम के मामले की परिस्थितियों पर अच्छी तरह विचार करना चाहिए... संयोग से अभी-अभी श्याओपो से मेरी बातचीत हुई, मैंने उस नौजवान को कुछ सलाह दी।" वह बैठ गए और अपना कहना जारी रखा, "मैं आपसे दो मुद्दों पर बातें करना चाहता हूं। पहला, मेरी समझ में हम लोगों को केवल बजट की जांच और उसे घटाने का काम नहीं करना चाहिए, हमें ऐसी योजना भी बनानी चाहिए कि कारखाने की परियोजना निश्चित रूप से पूरी हो। हमें इसके लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे। निश्चित कोटे के अनुसार बजट तैयार करना और फिर निर्माण कार्य को चलाना व उसे पूरा करना यह अभी की स्थिति में इतना आसान नहीं है।"

"हां, ठीक कह रहे हैं।" छ्येन कुङ ने जल्दी से अपनी सिगरेट बुझाते हुए कहा।

"यह तो पहला मुद्दा है। हम इसे थोड़ी देर के लिए टाल सकते हैं और बाद में गोदाम संबंधी मामले के साथ इस पर विचार कर सकते हैं। मैं जिस दूसरे मुद्दे पर आपसे बात करना चाहता हूं, वह पहले की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण है। हम कपड़ा उद्योग को और अधिक विकसित करने जा रहे हैं; इसमें अभी के कुछ कारखानों के विस्तार के साथ अनेक नई परियोजनाएं होंगी। मैं आपको कार्यकर्ताओं और तकनीशियनों की बजट योजना कक्षा चलाने के लिए आमंत्रित करना चाहूंगा। यह तीन महीने तक चलेगा। आप क्या सोचते हैं?"

"बेशक, यह अच्छा विचार है। वर्ना सभी स्तरों पर सुप्रशिक्षित व्यक्तियों को बहाल किए बिना केवल प्रभावशाली प्रबंध व्यवस्था की बात करना तो हवा में तीर चलाना होगा।" छ्येन कुङ अत्यंत उत्साहित लग रहे थे। छ्येन कुङ को पेइचिङ न जाने देने के अपवाद के अलावा तिङ मङ में सभी बातें अच्छी थीं।

"छ्येन कुङ, मुझे डर है कि हल्का उद्योग ब्यूरो के तत्वावधान में एक बार इस कक्षा के आरंभ होने के बाद प्रांतीय निर्माण कमेटी निश्चिततः ईर्ष्या करेगी। वह आपको बुलाने की भी कोशिश करेगी और आपको प्रांतीय कार्यालय में रखा जाएगा। ऐसी स्थिति में आपका पेइचिङ लौटना अधिक असंभव हो जाएगा। फिर आप क्या करेंगे?"

"आप मुझे नहीं जाने देंगे, इसके बारे में मैं क्या कर सकता हूं?" असहाय स्वर में छ्येन कुङ ने कहा।

"मैं आपको नहीं जाने दूंगा?... इतनी शक्ति!" तिङ मङ ने सिर हिलाया और हंसकर कहा। खड़े होकर वह छ्येन कुङ के सामने आए, "मुझे नाचीज न समझें। मेरे पास आपके जैसा दिमाग भले ही न हो, पर मुझे अच्छे और बुरे की समझ है। राज्य मुझे हर महीने वेतन देता है।" इसके बाद उन्होंने छ्येन कुङ को बताया कि ब्यूरो ने उनके स्थानान्तरण की मंजूरी दे दी है और उसी दिन पार्टी की प्रांतीय कमेटी के संगठन विभाग को रिपोर्ट भी भेजी है।

छ्येन कुङ की आंखें आश्चर्य में खुली रह गईं, उन्हें लगा कि सब कुछ इतनी जल्दी कैसे हो गया।

"आप... आप मुझे प्रतिभाशालियों को रोकने के लिए दोषी नहीं ठहरा सकते। पर इतना

जरूर कहूंगा कि मैं विभागीय स्वार्थ का दोषी हूं। आपके तीन महीने की बजट योजना कक्षा को ऐसा कहा जा सकता है कि हल्का उद्योग ब्यूरो ने पेइचिङ से सेवाएं उधार लीं।'' तिङ मङ मुस्कराए। ''प्रांतीय निर्माण कमेटी इसके बाद आप पर कब्जा करना चाहती है, मैं इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता। आप बताएं, मैं कुछ कर सकता हूं क्या? मैं आपके स्थानान्तरण का प्रबंध करूंगा। मुझे यकीन नहीं होता कि इतने बड़े प्रांत में प्रतिभाशाली व्यक्तियों की कमी हो।''

छ्येन कुङ से अपनी बातचीत पूरी करने के बाद तिङ मङ पाए शा से मिलने गए।

पाए शा मेज के पास हाथों पर गाल रखे बैठी थीं। उनकी कोहनियों के नीचे १९६५ में राष्ट्रीय निर्माण कमेटी द्वारा आयोजित बजट योजना कक्षा के शिक्षकों और छात्रों का एक समूह फोटो पड़ा था। उन्हें नहीं मालूम कि क्यों एक-दो दिन पहले बक्स से खोजकर उन्होंने यह फोटो निकाला था। फोटो में तीन पंक्तियों में सौ से अधिक व्यक्ति खड़े थे। वह कटे बांहों की ब्लाउज पहने पहली पंक्ति के बीच में उकड़ूं बैठी थीं और उनके पीछे यानी दूसरी पंक्ति के बीच में छ्येन कुङ कुर्सी पर बैठे थे। उस समय वह जवान और जिंदादिल थीं। उनकी आंखों में भविष्य की लालसामय आशाओं की चमक थी। उनकी मुस्कराहट में जीवन के उत्कट प्रेम की नदी बहती थी। फोटो के पीछे सुंदर अक्षरों में कुछ पंक्तियां लिखी हुई थीं :

ली फेइ,
चीन की भावी महिला बजट विशेषज्ञा के नाम

छ्येन वेइछुङ

वस्तुतः ये पंक्तियां उस समय उनके लिए प्रेरणा थीं... उन्होंने यह फोटो यों ही देखने के लिए निकाल लिया था, उन्होंने यह महसूस नहीं किया था कि उन बीते विस्मृत ''सहज'' दिनों की रोशनी में इतने ठंडे और उदास वर्षों के बाद भी चमक मौजूद होगी, जिसका बाद में वह उपहास किया करती थीं और अब यही उज्ज्वल मगर अपरिचित किरणें उन्हें गहरी चोट पहुंचा रही थीं। ऊपर से, पिछले कुछ दिनों की घटनाओं ने उनके मन की शांति छीन ली थी...।

तिङ मङ के अचानक आगमन ने उन्हें आत्मविस्मृति से लौटा दिया। फिर भी वह बैठी रहीं, उनके चेहरे से विद्वेष भाव प्रकट हो रहा था। ऐसी अफवाह थी कि तिङ मङ ने उन्हें अनुशासित करने के उद्देश्य से कार्यकर्ता संगठन विभाग से उनकी निजी फाइल मंगवाई है। चाङ आनपाङ थोड़ी देर पहले पाए शा से बातें करने आए थे, पर उन्होंने हर प्रश्न का गोलमटोल जवाब दिया था, ''जहां तक अधिकारियों की बात है, तुम उसे उनके भरोसे ही छोड़ दो... अब तुम्हारी निजी फाइल मंगवाई गई है, शायद निदेशक तिङ तुम्हारा बहुत अधिक खयाल रखते हैं।'' चाङ आनपाङ की बातों से इतना अवश्य हुआ कि कारखाने में फैली अफवाह की पुष्टि हो गई।

''मैं आपसे आपके काम के बारे में कुछ बातें करने आया हूं।'' तिङ मङ ने एक पलक में कमरे की सहज मगर सुरुचिसंपन्न सजावट देखी और बैठ गए।

पाए शा ने रूखा सा जवाब दिया, "हां, यह तो आपका अधिकार है।"

"मैं पहले यह कहना चाहता हूं कि अपने कार्य में जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करना आपकी सबसे बड़ी गलती है। 'तीन करोड़' में इतनी बड़ी समस्या मौजूद है। आप भी इसके लिए जिम्मेदार ठहरायी जाएंगी... आप कितनी जिम्मेदार हैं, यह बाद में विचार किया जाएगा।"

"मैं जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं। यदि आप सजा सुनाना चाहते हैं तो बेहिचक सुनाएं।"

"यदि सजा समस्या का समाधान होती तो आप सबों को बहुत पहले ही सजा दी जा चुकी होती।"

पाए शा के होंठों पर एक हल्का तिरस्कार भाव आया।

"आपने पहले बजट योजना की पढ़ाई की है?" तिङ मङ ने ठंडे स्वर में पूछा।

"आप मेरी निजी फाइल देख सकते हैं!"

"उसे संगठन विभाग देखेगा।" उनका दिमाग चौंका। केवल एक दिन पहले उन्होंने मध्य दर्जे से ऊपर के कार्यकर्ताओं की फाइल देखने का फैसला किया था। "पहले मैं आपसे और अभी बात करना चाहूंगा।" उन्होंने पाए शा को गंभीर नजरों से देखा और कहा, "आप सोच सकती हैं कि यह दुनिया किसी काम की नहीं है। अगर आप चाहें तो आप समाज को या अपने तीखे अनुभवों को दोषी ठहरा सकती हैं। पर ऐसे उद्देश्यहीन जीवन पर आप स्वयं पछताएंगी।"

"यही मेरी पसंद है, इसलिए ऐसा ही है।"

"मुझे नहीं लगता कि आप पहले भी ऐसी ही रही होंगी और न ही मैं चाहूंगा कि आपकी ऐसी ही दशा बनी रहे," तिङ मङ ने रूखे स्वर में उठते हुए कहा।

पाए शा का चेहरा अचानक पीला पड़ गया।

तिङ मङ ने कुर्सी एक ओर खिसकाई और दरवाजे की ओर बढ़े। दरवाजे से निकलते समय उन्होंने पलटकर कहा, "आपको दो दिनों के अंदर दो काम करने हैं। पहला, सभी हिसाब-किताब को तैयार करना है और गोदाम की सामग्रियों की जांच में छ्येन कुङ की मदद करनी है। दूसरा, सावधानीपूर्वक सोचें और देखें कि अभी भी 'तीन करोड़' में कोई समस्या तो बची नहीं रह गई है।"

पाए शा के मन की शांति अब पूर्णतः खो गई थी। "मुझे नहीं लगता कि आप पहले भी ऐसी ही रही होंगी!..." वह पहले कैसी थीं? फोटो का उनका अपना स्वयं, उन पर हंस रहा था। वस्तुतः दुःस्वप्नपूर्ण दस वर्षों के जीवन ने उन्हें बिलकुल भिन्न और दूसरे व्यक्ति में परिवर्तित कर दिया था। निस्संदेह जवानी के दिनों में घर पर दुर्भाग्य के थपेड़ों ने उनके दिल पर गहरे घाव छोड़े थे। उनसे केवल उनका राजनीतिक जीवन ही नहीं छीना गया था, बल्कि पार्टी के प्रति उनका विश्वास और उनका आत्मसम्मान भी प्रेम के पाखंड और स्वार्थ से तबाह हो गया था। यहां तक कि उनकी जीने की इच्छा लगभग समाप्त हो गई थी... अपने पिछले जीवन को भुलाने के लिए ही उन्होंने अपना नाम बदल लिया था। दस वर्षों में उन्हें जो झेलना पड़ा था, उसने उन्हें सभी लोगों और चीजों के प्रति निष्पन्द बना दिया था। शायद इसी कारण वे सामान्य से अधिक विरक्त, भावशून्य और उदासीन हो गई थीं।

पर पिछले कुछ दिनों में अचानक उनके मन की शांति क्यों छिन गई?... यदि कोई व्यक्ति वस्तुगत रूप में देखे तो उसे पता चल जाएगा कि उनकी आंतरिक परेशानी कुछ दिनों से लगातार बढ़ रही थी। यद्यपि कोई भी सरकारी नीति उनके आदर्शों के टूटे महल को नहीं जोड़ सकी और न प्रेम के प्रति उनका विश्वास जगा सकी, तथापि पिता के प्रति किए गए घोर अन्याय के बाद उन्हें मिली पुनःप्रतिष्ठा, सामाजिक वातावरण की जमी बर्फ के पिघलने से सूर्य की किरणें उनके दिल में पहुंचीं...

अगले दिन सुबह ही पाए शा ने गोदाम की सामग्रियों से संबंधित सभी कागजात इकट्ठे किए और चुपचाप छ्येन कुङ के हाथों में दे दिए। पर उन्होंने जांच कार्य संबंधी कोई भी सूचना नहीं दी।

गोदाम की जांच का नतीजा यह निकला : विनाइलॉन कारखाने को अपने बजट से सामग्रियों की खरीद और उगाही के लिए प्रस्तावित राशि में से एक करोड़ घटाना पड़ा। इस तरह तीन करोड़ में से पहले घटाए गए पचास लाख के अलावा एक करोड़ और घट गया। अब केवल डेढ़ करोड़ बचा रह गया था।

६

चाङ आनपाङ ने मेज पर इतने जोर से मुक्का मारा कि चाय की प्याली उलट गई। अभी वे पचास लाख खोने के गम से उबरते कि एक करोड़ और गंवा बैठे। उन्होंने मन ही मन स्वीकार किया कि उन्होंने तिङ मङ को कम करके आंका। उनके अधीन काम करने वालों की शिकायत, उनकी बर्बादी पर जश्न मनाने वाले विरोधियों की खुशी, उनके विभिन्न संपर्कों का असंतोष... ये सब किसी बड़ी लहर की तरह उन्हें स्वयं में समोने के लिए बढ़ी चली आ रही थीं। उनके सामने डटकर लड़ने के अलावा कोई दूसरा रास्ता चुनने की गुंजाइश नहीं थी।

सबसे पहले उन्होंने छ्येन कुङ पर दबाव डाला। टेलीफोन एक्सचेंज की ऑपरेटर से उन्हें तिङ मङ और हल्का उद्योग ब्यूरो की बातचीत का सार मिल गया। "ठीक है तो मैं भी चुपचाप नहीं बैठा रहूंगा," चाङ आनपाङ ने स्वयं से कहा। पार्टी के प्रांतीय संगठन विभाग में कार्यरत अपनी पत्नी से उन्होंने फोन पर लंबी बात की। कुछ दिनों पहले स्थानान्तरण की अनुमति दिलाने में मदद की जो बात उन्होंने छ्येन कुङ को बतायी थी, वह पूर्णतः झूठ थी। उन्हें अपनी पत्नी से यह जानकारी मिली थी कि विभाग जल्द ही मंजूरी देने जा रहा है और इसी आधार पर उन्होंने झूठी प्रशंसा लूटी थी। अब वह सचमुच अपनी पत्नी से इस सिलसिले में बात कर रहे थे। उनकी पत्नी संगठन विभाग में एक साधारण अधिकारी थी, पर कभी-कभी एक छोटा अधिकारी या प्रबंधक किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के स्थानान्तरण के काम आ जाता है। स्वाभाविक रूप से उन्होंने पत्नी से बार-बार केवल ऐसा कहा कि उन्हें और विनाइलॉन कारखाने को छ्येन कुङ की जरूरत है, उनके बिना निर्माण कार्य को पूरा करना एक गंभीर समस्या होगी।

इसके बाद प्रांतीय निर्माण कंपनी के निदेशक थान से उन्होंने फोन पर बात की और सभी आवश्यक संकेत दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने सामाजिक संबंधों का फिर से इस्तेमाल किया। ये सारे काम उन्होंने चुपचाप किए, रची जा रही साजिश का आभास तक नहीं होने दिया। नतीजा क्या निकला? इतना ही कहना पर्याप्त होगा कि कुछ दिनों के अंदर ही हल्का उद्योग ब्यूरो के अनेक कार्यकर्ताओं को ऐसा लगने लगा कि "छ्येन कुङ सीमा का अतिक्रमण कर रहे हैं।" निस्संदेह उनका तात्पर्य यह था कि "तिङ मङ सीमा का अतिक्रमण कर रहे हैं।"

चाङ आनपाङ की सभी गतिविधियों का प्रभाव आखिरकार तिङ मङ के कार्य पर पड़ा। घृणा से दांत भींचने के अलावा तिङ मङ ने कुछ नहीं किया। उन्होंने महसूस किया कि अब उन्हें अधिक दबाव में काम करना होगा। ऐसी बुरी स्थिति से पहले भी उनका पाला पड़ चुका था। उदाहरणार्थ जापानी-आक्रमण-विरोधी युद्ध में वह लड़ चुके थे। १९६६ में "सांस्कृतिक क्रांति" आरंभ होने पर वह तुरन्त यह नहीं समझ पाए थे कि यह चीन के लिए महाविपत्ति सिद्ध होगी। उस समय उन्हें सबसे अधिक इस बात ने परेशान किया था कि उन पर अनुचित रूप से प्रतिक्रांतिकारी होने का आरोप लगाया गया था। और अपने "अक्खड़ व्यक्तित्व" के कारण उन्हें गंभीर रूप से सताया गया था तथा उनकी भर्त्सना का प्रचार पूरे प्रांत में किया गया था। उनके इकलौते बेटे को पीटते-पीटते मार डाला गया था और वर्षों से सुख-दुख की साथी उनकी पत्नी को भी इतना सताया गया कि उनकी मृत्यु हो गई। वह आंसू के घूंट पीकर रह गए थे; बस यही वह कर सकते थे...

पर उन्होंने महसूस किया कि अभी उनके पास पिछली बातों को याद करने का समय नहीं है। उन्होंने यह कभी नहीं माना कि चीन समाप्त हो गया है या वह स्वयं समाप्त हो गए हैं। न ही वह यह मानने को तैयार थे कि समाज में फैली गंदगी को साफ नहीं किया जा सकता। निस्संदेह उन्हें जटिलताओं का सुलझाना आ गया था और वे यह भी समझ गए थे कि वर्तमान त्रुटियों को दूर करने के लिए वे केवल अपनी व्यावहारिक शक्ति पर ही निर्भर कर सकते थे। इस रोने-कलपने का कोई फायदा नहीं था। सचमुच, विनाइलॉन कारखाने के चापलूस कार्यकर्ताओं से घिरे चाङ आनपाङ की दूरगामी शक्ति, छ्येन कुङ का प्रत्यक्ष हतोत्साह और उनकी निर्बलता, पाए शा की कटुता जो यह मान रही थीं कि इसका उसे पहले भी अहसास था और स्वार्थी अवसरवादी छ्येन श्याओपो—उन्हें हर दिशा में अंधेरा ही अंधेरा दिख रहा था। पर मुश्किलों को झेलने और उन्हें सुलझाने की वजह से उन्हें अब स्थिति की जटिलता समझ में आई। इन सबों में बदलाव लाने के लिए उन्हें अभी भी जिस चीज की जरूरत महसूस होती थी, वह काम था।

हल्का उद्योग ब्यूरो के कार्यालय के अध्यक्ष के क्वाङशङ तिङ मङ से मिलने विनाइलॉन कारखाने आए। उन्होंने तिङ मङ को बताया कि ब्यूरो के सभी उप-निदेशक अत्यंत चिंतित हैं।

"क्यों चिंतित हैं?" तिङ मङ ने पूछा।

"लाओ तिङ, आप मुझे अपनी राय रखने दें।" के क्वाङशङ का कद छोटा और रंग सांवला था, उनकी पेशानी चौड़ी और पलकें बड़ी थीं। वे क्वाङतुङ के रहने वाले अत्यंत

चतुर व्यक्ति थे। उनकी आंखों में एक चमक थी और उनका उच्चारण दक्षिणी था। "अभी की स्थिति दस वर्ष पहले जैसी नहीं है। अनेक मामलों में हमें युक्तिसंगत रूप से उदार होना चाहिए और हममें थोड़ी लचक होनी चाहिए। अन्यथा योजना के अनुसार विनाइलॉन कारखाने का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाएगा।"

"यह आपकी अपनी राय है?"

"हां।"

"उपनिदेशकों की क्या राय है?"

"उनकी निजी राय भी लगभग मेरी जैसी ही है।"

"अच्छी बात है। 'तीन करोड़' की पूरी जांच के लिए पार्टी ने मुझे सारा अधिकार सौंपा है। कृपया मेरे काम में हस्तक्षेप न करें। आप अपनी राय भी न दें।" के क्वाङशङ किंकर्तव्यविमूढ़ होकर चिङ मङ को सुनते रहे, "जब आप वापस पहुंचें तो सभी कॉमरेडों को यह बता दें कि वे पार्टी कमेटी की सभा में अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित थे। आपके बारे में भी मेरी एक राय है। आप वह नहीं रहे, जो पहले हुआ करते थे।"

विनाइलॉन कारखाने के निदेशक और पार्टी कमेटी के उपसचिव न्ये रुनते तिङ मङ को यह बताने आए कि प्रांतीय निर्माण कंपनी का नौवां विभाग अपने मजदूरों को हटाकर नए निर्माण स्थल पर ले जाने को सोच रहा है। नाममात्र के लिए कुछ मजदूर यहां रह जाएंगे।

"क्या? आपका मतलब वे निर्माण कार्य अधूरा छोड़कर चले जाएंगे?" तिङ मङ ने घूरकर न्ये रुनते को देखा।

न्ये देखने में सुशील लगते थे। उन्होंने अपनी आंखें सिकोड़कर स्थिर कीं और दृढ़ स्वर में कहा, "नहीं, उन्होंने यह नहीं कहा कि वे जा रहे हैं।" तिङ मङ ने जवाब दिया, "ठीक है, यदि वे काम छोड़कर जाना ही चाहते हैं तो चले जाएं। आप जानते हैं, चीन में एक उन्हीं की निर्माण इकाई नहीं है।" न्ये रुनते ने शांत स्वर में कहा, " ऐसे कार्य को समाप्त करने की आवश्यकता आप समझते हैं। यह काम मुश्किल है और इसमें पैसे भी अधिक नहीं मिलते। इसमें तो केवल हड्डी ही हड्डी है, मांस का नामोनिशान नहीं। शायद दूसरी निर्माण इकाइयां इस काम को हाथ में नहीं लेना चाहेंगी।... दूसरे, अधिक मजदूरी लेने के लिए नौवें विभाग का भी प्रांतीय निर्माण कंपनी के अन्य विभागों से पहले से संबंध बना हुआ है।"

"तो यही है हमारी गरिमामय कम्युनिस्ट पार्टी! यह हालत हो गई है!" तिङ मङ कमरे में तेजी से चहलकदमी कर रहे थे। कुछ कदम चलने के बाद वह रुके और उन्होंने पूछा, "क्या आपको चाङ आनपाङ ने यह कहने के लिए मेरे पास भेजा है?"

"हां... नहीं, नहीं, मैं स्वयं भी आकर आपको यह बताना चाहता था।"

तिङ मङ ने न्ये रुनते को ऊपर से नीचे तक देखा और क्रोधित स्वर में कहा, "और हम आधुनिकीकरण के कार्य को पूरा करने का दावा कर रहे हैं?"

"तिङ साहब, एक आप ही सारी चीजों को गंभीरता से ले रहे हैं। इससे काम नहीं चलेगा।" न्ये रुनते ने दिल से यह सलाह दी।

"फिर आप मेरा साथ क्यों नहीं देते? यदि सभी व्यक्ति गंभीरता से काम करें तो सफलता मिल सकती है। ऐसा क्या हो गया है... क्या 'सांस्कृतिक क्रांति' ने आपकी सारी हिम्मत छीन ली? क्या यही कारण है?"

"नहीं, यह बात नहीं है। पर यह आज की सच्चाई है।"

"फिर आप पार्टी क्यों नहीं छोड़ देते?" तिङ मङ ने न्ये रुनते को काटकर रख देने वाली नजरों से देखा। न्ये रुनते ने अपना सिर झुकाया। अंत में तिङ मङ ने बस इतना कहा, "सभी को सूचित कर दें कि पार्टी कमेटी की सभा होने वाली है।"

सभा में तिङ मङ सीधे मुद्दे पर आ गए और बोले, " 'तीन करोड़' के सवाल पर मुझे ऐसा लगता है कि यह दो भिन्न दृष्टि और कार्यपद्धति की लड़ाई बन गई है। एक पक्ष कार्य में प्रगति, बजट तैयार करने में सतर्कता और कम खर्च करके यथाशीघ्र परियोजना को पूरी करना चाहता है। दूसरा पक्ष कारखाने की रक्षा करने के छद्मवेश में अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है और इस तरह राष्ट्र को क्षति पहुंचा रहा है। दूसरे शब्दों में अपनी राजनीतिक पूंजी बढ़ाने के लिए देश के पैसों का दुरुपयोग कर रहा है। आपके सचिव चाङ आनपाङ इसके साक्षात उदाहरण हैं।"

पूरे कमरे में स्तब्धता छा गई। खामोशी फैली रही। चाङ आनपाङ ने असहमति में सिर हिलाते हुए जबरन मुस्कराने की कोशिश की।

तिङ मङ ने "तीन करोड़" से संबंधित विस्तृत विवरण पेश किया। सिद्धांत पर दृढ़ता से न टिके रहने के लिए उन्होंने पार्टी कमेटी की आलोचना की। अंत में उन्होंने कहा, " जो कोई भी अपना कार्य पूरी ईमानदारी के साथ निभाने को तैयार नहीं है, वह अपने पद से त्यागपत्र दे सकता है।"

सभा खत्म होने के बाद वह चाङ आनपाङ से अकेले में बातें करने के लिए रुके रहे। उन्होंने रूखे स्वर में कहा, "आप अपना कार्ड दिखाएं।"

"मैं क्या दिखा सकता हूं?" चाङ आनपाङ ने अपनी बांहें फैलाकर एक और जबरन मुस्कराहट फेंकी। वह तनाव को कम करने के साथ-साथ तिङ मङ के सख्त रुख को भी नरम करना चाहते थे। "यही अभी की स्थिति है," उन्होंने धीमे स्वर में बोलना आरंभ किया, "निर्माण इकाई के लिए यदि आप बजट में थोड़ी ढील नहीं देंगे तो वे काम पूरा नहीं करेंगे। बस इतनी सी बात है! ऐसा नहीं है कि वे सहायता करना नहीं चाहते। यदि आपने सख्ती के साथ निश्चित कोटे के अनुसार राशि दी तो वे घाटे में रहेंगे। इसका मतलब यह है कि वे अपने मजदूरों का वेतन देने में भी असमर्थ होंगे, विशेष कार्यों के लिए इनाम देने की बात तो छोड़ ही दें। इन दिनों यही पूरे देश का हाल है। आप जमीन की खरीद से संबंधित दूसरा उदाहरण ले सकते हैं। नियम के अनुसार खेंतीयोग्य जमीनों के एवज में तीन वर्षों तक प्राप्त आमदनी राज्य को चुकानी पड़ती है। यह प्रति मू (चीन में खेतों को नापने की एक इकाई) कुछ सौ य्वान पड़ती है, ठीक है? पर यदि आप कृषि उपकरणों जैसे दूसरे खर्चों को जोड़ें तो प्रति मू कम से कम सात-आठ हजार य्वान की जरूरत पड़ती है। इस सच्चाई को आप

समझते होंगे। कारखाने के साज-सामान या सही यातायात व्यवस्था के अभाव में आप क्या कर सकते हैं? बदले में देने के लिए गोदाम में रखे सामानों पर निर्भर करना पड़ता है। अन्यथा आप मूल योजना के अनुसार कार्य करते रहें और बराबर अधिकारियों से सहायता मांगते रहें। इसके अतिरिक्त आप कुछ नहीं कर सकते और इस तरह काम पूरा होने में सौ वर्षों से भी अधिक लग जाएंगे। आप जानते हैं, 'तीन करोड़' की योजना मैंने अकेले नहीं बनाई। 'तीन करोड़' के बिना कोई भी सचिव कारखाने के कार्य की समाप्ति नहीं देख सकता।'' चाङ आनपाङ अपनी बात पर स्वयं ही खुश हो रहे थे। वास्तव में यह तगड़ी चाल थी और चाङ आनपाङ के अनुसार समस्या के समाधान का कोई दूसरा रास्ता भी नहीं था। नौवें विभाग द्वारा अपने मजदूरों को हटाने की बात के उल्लेख की आवश्यकता नहीं थी।

''यह आपकी अंतिम राय है, फिर भी एक सवाल का जवाब दें। आपने आज की जिस स्थिति का विवरण दिया, यदि उन्हीं स्थितियों के बीच मैं एक वर्ष यहां के काम की देख-रेख करने का फैसला करूं तो क्या मैं दो करोड़ नब्बे लाख में इस कार्य को पूरा कर सकता हूं? आप अपनी राय दें।''

चाङ आनपाङ ने तिङ मङ के गंभीर चेहरे को गौर से देखा और थोड़ी देर सोचने के बाद कहा, ''हां, यह संभव है।''

''दो करोड़ अस्सी लाख के बारे में आपकी क्या राय है?''

चाङ आनपाङ ने महसूस किया कि बातचीत में तीखापन आ गया है। इसके बाद दो करोड़ सत्तर लाख, फिर दो करोड़ साठ लाख और इसी तरह दस-दस लाख घटाकर तिङ मङ पूछते जाएंगे। इसलिए कोई जवाब न देकर वह विचारों में खो गए।

''ठीक है, हम दो करोड़ नब्बे लाख के बारे में पहले बात करें। जब दो करोड़ नब्बे लाख में काम हो सकता है तो आप तीन करोड़ पर क्यों जोर दे रहे हैं। क्या बाकी दस लाख कहीं आप खुद तो नहीं जोड़ेंगे?'' थोड़ी देर चुप रहने के बाद तिङ मङ ने आगे कहा, ''अभी की स्थिति बेहतर नहीं है, यह मैं जानता हूं। पर मुझे यह भी विश्वास नहीं रहा कि आप कम्युनिस्ट समाज में काम कर रहे हैं। दरअसल आप 'अभी की स्थिति' के बहाने अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं! ... यह रहा आपका हिस्सा और यह मेरा, यही बात है न! इसलिए चीन में यह 'अभी की स्थिति' हुई है।

चाङ आनपाङ दिल ही दिल में अपने पुराने नेता तिङ मङ की गंभीरता का उपहास कर रहे थे। फिर भी उन्होंने कहा, ''मैं तो केवल विनाइलॉन कारखाने को थोड़ी अच्छी तरह चलाना चाहता हूं। इसमें मेरा कोई निजी हित नहीं है। मेरा विचार है, आप यह समझते होंगे।''

''आपका निजी हित नहीं है?'' तिङ मङ के होंठों पर व्यंग्यपूर्ण मुस्कराहट थी। ''आप कुछ दिन और रुकें, फिर जब मैं बहरा हो जाऊं तो आप यह बात कहें।''

''ठीक है, अब मैं और कोई सफाई नहीं दूंगा। बस इतना ही कहना चाहता हूं कि यदि मजदूर यहां काम पर लगे रहें तो आप जो भी राशि प्रदान करें, उससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। ऐसी स्थिति में किसी तरह मैं काम संभाल लूंगा। मैं उम्मीद करता हूं कि इस समस्या को यथाशीघ्र सुलझाने में ब्यूरो मदद करेगा। अभी तो यह हालत है कि नौवें विभाग ने हमारे

साथ काम नहीं करने का फैसला कर लिया है।" चाङ आनपाङ को अच्छी तरह मालूम था कि यदि नौवें विभाग ने काम जारी रखने से इंकार कर दिया तो पूरे प्रांत में दूसरी इकाई को पाना असंभव होगा और फिर कम से कम छै महीने तो काम अवश्य ही बंद रहेगा।

"आपको स्वयं इस समस्या का समाधान करना होगा," तिङ मङ ने चाङ आनपाङ की तरफ देखे बिना बेरुखी से कहा।

"मुझे?" चाङ आनपाङ को थोड़ी देर के लिए कोई शब्द नहीं सूझा कि क्या बोलें। "मैं... मैं शायद इसे नहीं सुलझा सकता!"

"तो फिर आपको अपना पद छोड़ना होगा। जो इस समस्या को सुलझाएगा, वही मुख्य निदेशक होगा। सीधी सी बात है, है कि नहीं?" तिङ मङ ने खड़े होकर खिड़की के बाहर देखा, यह इसका संकेत था कि अब बातचीत समाप्त हो गई है।

चाङ आनपाङ ने महसूस किया कि वह पूरी तरह से तिङ मङ की मुट्ठी में आ गए हैं। सौदा या समझौता करने के उद्देश्य से उन्हें त्यागपत्र देने की बात कहकर तिङ मङ को धमकाने का साहस नहीं हुआ, क्योंकि वह अच्छी तरह जानते थे कि क्या प्रतिक्रिया होगी। पहली बार उन्होंने स्वयं को दरकिनार महसूस किया। उनका दिल क्रोध और घृणा में उफन रहा था। तिङ मङ के सफेद छोटे बालों को देखते हुए वह द्वेष में अपने दांत किटकिटा रहे थे। पर जैसे ही तिङ मङ के पलटने के पहले उनका सिर घूमा चाङ आनपाङ के चेहरे पर नम्र मुस्कराहट लौट आई और उन्होंने कहा, "देखिए, मैं कोई रास्ता निकालता हूं। मैं हाथ पर हाथ रखे नहीं बैठा रहूंगा, मैं आपकी उम्मीद को बेकार नहीं होने दूंगा।"

"मेरी उम्मीद को बेकार नहीं होने देंगे?" तिङ मङ के चेहरे पर तिरस्कार भाव आया। "मैं ब्यूरो की पार्टी कमेटी के सचिव की हैसियत से यहां काम कर रहा हूं। यदि मुझे अपने आपसे बात करनी होती तो मैं आपको गालियां दे रहा होता कि आप कमीने हैं! जरा स्वयं को देखिए, देखिए कि आप कैसे बदल गए हैं!"

तिङ मङ की फटकार के आखिरी शब्दों में किसी वरिष्ठ कार्यकर्ता की चिंता थी और परिवार के किसी बड़े सदस्य की सदिच्छा थी। पर इस सारी चिंता और सदिच्छा ने चाङ आनपाङ की घृणा को किसी फटकार से अधिक बढ़ाया ही। ऐसी स्थिति उनके लिए बर्दाश्त के बाहर थी। घृणा से मुस्कराते हुए उन्होंने मन ही मन कहा, "बस थोड़ा इंतजार करो बच्चू! इतनी जल्दी स्वयं पर इतने अधिक खुश मत हो!"

७

शाम को चाङ आनपाङ घर लौटे। सोफे पर पसरकर सभी चीजों पर विस्तार से सोचते रहे। तिङ मङ और अपनी व्यक्तिगत लड़ाई में तिङ मङ की जीत न देखने के लिए वह दृढ़प्रतिज्ञ थे; अब लड़ाई "तीन करोड़" की सीमा से आगे बढ़ गई थी। वह तिङ मङ जैसे व्यक्तियों से घृणा करते थे। अब उनकी सिर्फ एक ही चाह थी, **बदले की**। वह आजमाइश करना चाहते थे। ऐसी आजमाइश, जिसमें उनकी जीत हो और वे ही विनाइलॉन कारखाने के वास्तविक सर्वेसर्वा सिद्ध हों।

मेज पर रखे टेलीफोन की घंटी बज रही थी। उन्होंने रिसीवर उठाया और यथोचित हंसी के साथ बात की। यह सामग्री ब्यूरो के कार्यालय के सचिव का फोन था, वे अतिरिक्त नौकरियों के बारे में पूछ रहे थे। स्वर में अधीरता थी, "संभव है या नहीं? यदि नहीं तो आप हमें बता दें, हम आइंदा आपको परेशान नहीं करेंगे। हम कोई दूसरा रास्ता निकालेंगे।"

चाङ आनपाङ ने अपनी मनोव्यथा प्रकट नहीं की। न ही उन्हें "तीन करोड़" में हुई कटौती का उल्लेख करने का साहस हुआ। अभिनय करते हुए दृढ़ता के साथ हंसकर उन्होंने कहा, "चिंता न करें। अब देर नहीं होगी। आप निश्चिंत होकर सारी जिम्मेदारी मेरे ऊपर छोड़ दें।" वह ब्यूरो के निदेशकों को अपना नमस्कार कहना चाहते थे, इसलिए चापलूसी के स्वर में हंसी-मजाक की बातें करते रहे। पर उधर से सचिव ने खटाक से रिसीवर रख दिया। चाङ आनपाङ चिढ़ गए, गुस्से में उनका चेहरा पीला पड़ गया और होंठ फड़कने लगे। उन्होंने भी झटके से रिसीवर रख दिया। फिर उन्होंने दो दिनों से बार-बार घेरने वाले असंतुष्ट चेहरों, उनकी अधीरता और उनके आग्रहों के बारे में सोचा। उन्होंने अपनी आस्तीन के सांप के बारे में सोचा—उनकी उम्मीद के बिलकुल विपरीत पाए शा ने गोदाम की सामग्रियों का सारा हिसाब छ्येन कुङ को सौंप दिया था। वह क्रोध में उबल रहे थे। सभी अवसरवादी और स्वार्थी हैं। बहुत प्रयास करने पर काफी देर के बाद वह शांत हुए।

पाए शा कमरे में आईं। उन्होंने अपना स्कार्फ खोलकर एक तरफ रखा और सोफे पर बैठते हुए नयी बजट रिपोर्ट चाङ आनपाङ की तरफ बढ़ाई और बताया, "अतिरिक्त राशि की मांग के लिए बनाया गया पूरक बजट फिर से बनाया गया है। छ्येन कुङ ने इसे देखा है और अपनी मंजूरी दे दी है। अब यह अतिरिक्त राशि एक करोड़ पचास लाख है।"

"वह?... निस्संदेह वह इन मामलों के विशेषज्ञ हैं!" चाङ आनपाङ ने हल्का व्यंग्य करते हुए कहा, "उन्होंने मेरी इतनी मदद की। मुझे भी इसके बदले में उन्हें अवश्य कुछ देना चाहिए।"

"आप कहना क्या चाहते हैं?"

"मैं क्या कहना चाहता हूं?" हालांकि चाङ आनपाङ को इतनी समझ थी कि वह आवेश में अधिक दूर न जाएं, पर वह स्वयं पर नियंत्रण न रख सके और दिल की बात बताने लगे, "यदि मुझे मेरा 'तीन करोड़' नहीं मिला तो वह भी पेइचिङ जाने का सपना छोड़ दें और तिङ मङ जाकर उन्हें सांत्वना देते रहें।"

पाए शा एकबारगी कांप उठीं। उन्होंने चाङ आनपाङ को इतना विद्वेष भरा पहले कभी नहीं देखा था। उन्होंने तीखे स्वर में कहा, " क्या आपको नहीं लगता कि आप सीमा पार कर रहे हैं?"

"मुझे सीमा पार करने की जरूरत नहीं है... तिङ मङ, हल्का उद्योग ब्यूरो और राष्ट्रीय निर्माण कमेटी—उनकी मदद नहीं कर सकते, कर सकते हैं क्या?" छ्येन कुङ के पक्ष में पाए शा के बोलने से चाङ आनपाङ का रोष और बढ़ गया। उसके "विश्वासघात" की बात सोचकर गुस्से में फुफकारते हुए वह बोले, "जब कोई परेशान है तो इतना बड़बड़ करने की क्या जरूरत थी?"

पाए शा तुरंत उठकर खड़ी हो गईं, उन्होंने चाङ आनपाङ को ठंडी निगाहों से देखा। पाए

शा के क्रोध और असहमति से वह जल्द ही होश में आ गए और उन्होंने स्वयं को नियंत्रित किया। सोफे की बाहें थपथपाते हुए उन्होंने ठंडी सांस लेकर कहा, "आप परेशान न हों। मैं खीझ में बकबक किए जा रहा था। काम मेरी इच्छा के अनुसार नहीं हो रहा है, इसलिए मेरा रोष बढ़ता जा रहा है। अभी शांत होने में..."

"आपको नहीं लगता कि यह सचमुच कितनी शर्म की बात है?" पाए शा ने पूछा।

चाङ आनपाङ कुछ बोलने ही जा रहे थे कि अचानक अंदर के कमरे का दरवाजा खुला और उनकी बेटी हाएयेन दरवाजे पर दिखी। उसका चेहरा लाल हो रहा था। डबडबायी आंखों में पीड़ा, शर्म और घृणा थी। निस्संदेह उसने उन दोनों की पूरी बातचीत सुन ली थी।

"हाएयेन, तुम..." चाङ आनपाङ खड़े हो गए, उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि आगे क्या बोलें।

हाएयेन दरवारे पर ही खड़ी रही। उसके होंठ कांपे मगर वह कुछ भी नहीं बोली। अंत में वह पलटकर दांतों को भींचती हुई कमरे से निकल गई।

उनकी बेटी चली गई।

पाए शा भी चली गईं।

उदास और दुखी चाङ आनपाङ सोफे में धंसे रहे।

टेलीफोन की घंटी बजी। उन्होंने रिसीवर उठाया। "हेलो" की आवाज सुनकर उन्हें ऐसा लगा कि उनके सहायक का फोन है, जो "तीन करोड़" के संबंध में जानना चाहता है। बगैर कुछ और सुने चिढ़ते हुए वह बोले, "हां, हां, ठीक है! तीन करोड़, तीन करोड़। तीन करोड़ आपको मिल जाएगा, आप परेशान न हों! और अब मुझे भी ज्यादा परेशान न करें!..."

फोन पर आने वाली आवाज गंभीर, ठंडी और कर्कश लगी। उन्होंने तुरंत पहचान लिया कि यह तिङ मङ की आवाज थी। उदासीन बने वह रिसीवर पकड़े रहे और सोफे पर बैठ गए।

बातचीत खत्म होने के बाद कमरे में असाधारण उदासी और खामोशी फैल गई। चाङ आनपाङ ने अकेलापन, ऊब और थकान महसूस की। उन्होंने सोचा, "महत्वाकांक्षाएं भाड़ में जाएं! बहुत हो गया। राजनीति छोड़कर क्यों न सामान्य आदमी की जिंदगी जी जाए। यही ठीक भी है। सादा और शांत जिंदगी अच्छी है। इससे बेहतर कुछ भी नहीं है।..."

पर व्यक्तिगत लाभ का मोह भी दिल में जड़ जमाए बैठा था। अनजाने में उनकी नजर टेबल पर पड़ी, टेबल पर उनके निर्देशन और अनुमोदन के लिए आई अनेक रिपोर्टें पड़ी थीं। रिपोर्टों की बगल में पद और प्रतिष्ठा की प्रतीक एक मोटी नीली-लाल पेंसिल रखी थी।

लगभग घंटेभर के बाद वह सोफे पर से उठे, ओवरकोट पहना और अपने थके व बेजान शरीर को घसीटते हुए बाहर निकले।

डॉरमीटरी की निचली सीढ़ियों से उन्होंने ऊपर देखा। ऊपर सामने तिङ मङ खड़े नजर आए, वह उनकी तरफ ही नजर टिकाए थे। उनकी नजर में केवल गंभीरता और कठोरता नहीं थी, उनकी आंखों में उम्र में बड़े व्यक्ति की दया व कोमलता भी थी और अगोचर दुख भी था। अचानक चाङ आनपाङ को एक पुरानी घटना याद आ गई। दस वर्ष से अधिक हुए, एक कारखाने का उपनिदेशक बनाए जाने के बाद उन्होंने पहले महीने में लापरवाही से

काम किया था और इसके कारण उत्पादन बहुत घट गया था। सर्वसम्मत मांग थी कि उन्हें पद से हटा दिया जाए और अनुशासित किया जाए। तब तिङ मङ की नजरों में जो दया, कोमलता, कठोरता, गंभीरता और दुख था, आज भी तिङ मङ की नजरें वही व्यक्त कर रही थीं। उस समय तिङ मङ ने सभी के विरोध के बावजूद फैसला किया था और चाङ आनपाङ को अनुमति दी थी कि वह अपनी आत्मालोचना करें और काम जारी रखते हुए अच्छी सेवाओं के जरिए स्वयं को सुधारने की कोशिश करें। प्रायश्चित भाव से चाङ आनपाङ ने अपनी पूरी योग्यता का इस्तेमाल किया था और अंततः सभी चीजें ठीक हो गई थीं तथा कारखाने के घाटे की क्षतिपूर्ति हो गई थी। अभी तिङ मङ उन्हीं नजरों से देख रहे थे, फर्क इतना था कि उनके बाल अब सफेद हो गए थे...

उन पुरानी बातों को याद करके चाङ आनपाङ का विवेक वापस लौटा—सचमुच वह दूसरी तरह का व्यावहारिक जीवन था, वह युवा विश्वास और हंसिया-हथौड़े वाले लाल झंडे के सामने ली गई शपथ से निर्देशित था। लेकिन दिल में क्षणभर से लिए जागी निष्कपटता "वर्तमान के बोध" के असर से धुंधली पड़ गई। अपनी जागृति और शर्म का उन्हें अहसास हुआ, पर वह अधिक देर तक नहीं टिका रहा। केवल घृणा भाव, निर्दयता और जीतने की अदम्य इच्छा उनके चेहरे पर टिकी रही। तिङ मङ ने चाङ आनपाङ के चेहरे के बदलते भावों को गौर से देखा और दुखी मन से स्वीकार किया, "हाय! सब कुछ समाप्त... सब का सब!"

चाङ आनपाङ सीढ़ियों से ऊपर चढ़े और तिङ मङ के पास से गुजरे। उन्होंने एक-दूसरे का औपचारिक अभिवादन किया। चाङ आनपाङ तीसरी मंजिल पर पाए शा के कमरे में गए। वह काठ की मूर्ति की तरह बैठी थीं, उनके चेहरे पर किसी प्रकार का कोई भाव नहीं था। वह बैठ गए और उन्होंने अपनी जेब से नयी बजट रिपोर्ट निकालकर टेबल पर रखी।

उन्होंने कहा, "डेढ़ करोड़। मैंने इसे देख लिया है। इसे ऐसा ही रहने दें। अच्छी रिपोर्ट है।" उनकी आवाज बेजान और थकी हुई मगर उत्तेजनापूर्ण थी। "ऐसा है कि कल मैं डॉक्टरी जांच के लिए प्रांतीय अस्पताल जा रहा हूं। बजट से संबंधित कामकाज आप संभाल लेंगी न? अगर कोई गंभीर समस्या आ जाए तो लाओ न्ये से आप सलाह ले सकती हैं।" पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ उन्होंने पाए शा को जिम्मेदारी सौंप दी। उनके बोलने के ढंग से ऐसा लगा कि वह हमेशा के लिए विनाइलॉन कारखाना छोड़कर जा रहे हैं। उनके स्वर में पूरी उदासी थी और उदासी में लाचारी और अपरिहार्यता का भाव घुला हुआ था । थोड़ी देर के बाद गहरी सांस लेते हुए वह बुदबुदाए, जैसे स्वयं से ही कुछ कह रहे हों, "मैं तो एक कारखाने का निर्माण कर रहा था, पर यह इतना आसान नहीं है। मैंने सोचा कि मुझे बोलने का अधिकार है, कुछ कठोर शब्द भी बोल सकता हूं... पर इससे मेरे कॉमरेडों को हानि पहुंची।... यह अक्षम्य है।..." धीरे-धीरे वह जाने के लिए उठे। "सौभाग्य की बात है कि सभी कॉमरेड मुझे समझते हैं। अगर मैं आलोचना के योग्य हूं तो मेरी आलोचना होनी चाहिए... किसी भी सूरत में विनाइलॉन कारखाने का हित हमारे दिलों में है। हमारे बीच... एक-दूसरे के प्रति सद्भाव है।"

पाए शा ने उन्हें उदास व ठंडी नजरों से देखा।

चाङ आनपाङ पाए शा को कुछ खोने का अहसास कराना चाहते थे और इसलिए आगे कुछ और न बोलकर वह वहां से चले गए।

८

अगले दिन पाए शा तिङ मङ के पास कुछ कागजात लेकर गईं, जिनमें उन्होंने हिसाब लगाया था और विभिन्न मदों में होने वाले खर्चों के बारे में लिखा था। पाए शा ने इस तरह चाङ आनपाङ का "जवाब" दिया था। दरअसल पिछली रात जगकर उन्होंने सारे मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने के बाद यह फैसला लिया था।

तिङ मङ ने कागजात देखते हुए पूछा, "क्या है यह सब?"

आदतन शांत स्वर में पाए शा ने जवाब दिया, "यह झूठे बजट को पास करवाने के लिए चाङ आनपाङ के प्रयासों का कच्चा चिट्ठा है।"

तिङ मङ ने खुश होकर कहा, "तो आपने पूरा कर दिया, यह अच्छी बात है। इसे छ्येन कुङ को दे दें।"

पाए शा को ठेस लगी। उनसे सीधे-सपाट रवैये की उन्होंने उम्मीद नहीं की थी। "और..." थोडी देर सोचने के बाद उन्होंने आगे बताने की कोशिश की।

उनकी बात को काटते हुए तिङ मङ ने सहजता के साथ कहा, "इसे छ्येन कुङ को दे दें। वह देख लेंगे।" उनके इस कथन से स्पष्ट था कि वह किसी तरह की व्याख्या नहीं सुनना चाहते थे।

तिङ मङ के व्यवहार से पाए शा ने महसूस किया कि उनकी ईमानदार कोशिश को तुच्छ समझा जा रहा है। पलकें झपकाकर उन्होंने ठंडी सांस ली और जाने के लिए उठीं।

"क्या? ...क्या आपको ऐसा लग रहा है कि मैं इसे गंभीरता से नहीं ले रहा हूं?" तिङ मङ ने पाए शा के दिल के भाव को ताड़ लिया, टेबल पर पड़े कागजात को थपथपाते हुए उन्होंने सच्चे दिल से कहा, "ऐसी बात नहीं है। मैं इसका महत्व समझता हूं। पर मैं इस बाबत भी सोच रहा हूं कि कॉमरेड पाए शा ने ये कागजात अब क्यों दिए?" थोड़ी देर रुककर फिर बोले, "मैं आपसे कुछ विचार-विमर्श करना चाहता हूं। ब्यूरो, बजट बनाने वालों को प्रशिक्षित करने के लिए एक कक्षा चलाना चाहता है। हमें उम्मीद है कि आप इसमें शामिल होंगी और छ्येन कुङ के सहायक के रूप में काम करेंगी। उनके पेइचिङ जाने के बाद आप बजट परीक्षा की ब्यूरो प्रभारी होंगी। आपका क्या विचार है?"

"मैं इस योग्य नहीं हूं," पाए शा ने जवाब दिया।

"क्या आपने पहले बजट योजना की पढ़ाई नहीं की है?"

"... नहीं... ।"

"आदमी में सच बोलने का साहस होना चाहिए, है कि नहीं?" तिङ मङ मुस्करा रहे थे। "आपने पहले इसकी पढ़ाई नहीं की, पर ली फेइ के बारे में आपका क्या कहना है? क्या नाम बदलने से तथ्य भी बदल जाते हैं?"

पाए शा चौंकी और उनका चेहरा अचानक लाल हो गया। गुस्से में वह जाने के लिए मुड़ीं।

"हमें अपने अतीत और वर्तमान को बिना भय के स्वीकार करना चाहिए। मुझे आशा है, आप मुझसे सहमत होंगी," तिङ मङ ने पाए शा को देखते हुए कहा।

"ऐसी बातों में मेरी कोई रुचि नहीं है!" पाए शा ने जवाब दिया और जाने के लिए दरवाजे की तरफ बढ़ीं।

तिङ मङ भी उठकर खड़े हो गए। "आप इसे चरित्र की दृढ़ता कह लें। पर आपकी सबसे बड़ी कमजोरी है कि आप तथ्यों को स्वीकारने से डरती हैं... इस मामले में आप किसी दूसरे से अधिक कमजोर हैं।"

पाए शा अचानक रुक गईं।

"मैं जानता हूं, आप अनेक कटु अनुभवों से गुजरी हैं। उन कटु अनुभवों से आपको सीखना चाहिए और अपने कार्य व जीवन में खुद को बेहतर सिद्ध करने की कोशिश करनी चाहिए... अन्यथा, आप उन अनुभवों के लायक भी नहीं रह जाएंगी। मेरी बातों को समझ रही हैं न?"

थोड़ी देर के लिए खामोशी छाई रही।

तिङ मङ ने पाए शा की बगल में पड़ी छोटी मेज पर "बजट योजनाकार प्रशिक्षण कक्षा की रूपरेखा" की कापी रखते हुए कहा, "इसे ले जाएं और एक नजर देख लें। यदि आपका विचार बदल जाए तो इस संबंध में छ्येन कुङ से बातें कर लें और यदि विचार न बदले तो मुझे वापस कर दें।"

९

राजनीतिक दांव जुटाने के लिए चाङ आनपाङ ने प्रांतीय राजधानी का बवंडर की तरह चक्कर लगाया। राजधानी में बड़े अधिकारियों से मिलने के बाद वह कारखाने लौटे और तुरुप का पत्ता चला। प्रांतीय सरकार ने उनसे एक सम्मेलन में भाग लेने को कहा था, जो पंद्रह दिनों तक चलने वाला था। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें शारीरिक जांच और उपचार के लिए अस्पताल में रहना है। इस तरह उसी दिन उन्होंने कारखाना छोड़ दिया।

समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहीं। कारखाने के पुराने प्रबंधक न्ये रुनते तिङ मङ के सामने बैठे थे। उनके तने चेहरे, झुर्रियों और लटकी भारी पलकों से परेशानी झलक रही थी। क्या किया जा सकता था? यह साफ-साफ चाङ आनपाङ की चाल थी। वह कुछ महीनों तक यहां से गायब रहेंगे। केवल मजदूरों की कमी ही विनाइलॉन कारखाने के निर्माण कार्य को ठप करने के लिए पर्याप्त थी। फिर जो स्थिति उत्पन्न होगी, वह चाङ आनपाङ की वापसी के अनुकूल होगी...

तिङ मङ ने राजधानी जाकर प्रांतीय निर्माण ब्यूरो से सलाह-मशविरा करने को सोचा।

"लाओ तिङ, अभी तक तुम्हारा उग्र स्वभाव नहीं गया? हा, हा!..." तिङ मङ की बातें सुनने के बाद निर्माण ब्यूरो की पार्टी कमेटी के सचिव मा पिन ने कहा। दुबले-पतले और

बातूनी मा पिन लंबे समय से तिङ मङ को जानते थे और अपने इस जिद्दी दोस्त को अच्छी तरह समझते थे। काफी देर से दोनों बातचीत कर रहे थे। आखिर मा पिन ने पूछा, "ठीक है, अपने पुराने साथी को बताओ कि क्या करना है।"

"मैं चाहता हूं कि तुम इस समस्या को सुलझा दो।"

"मजदूरों की समस्या? क्या मैंने अभी प्रांतीय निर्माण कंपनी को फोन नहीं किया? फिलहाल, केवल नौवां विभाग उपलब्ध है। ठीक है, तुमने जितनी बातें मुझे बताईं... हा...हा!" मा पिन फिर से ठहाके लगाने लगे। "तुम्हारी बातें सही हैं, इसमें कोई शक नहीं। पर उनकी भी तो अपनी समस्याएं हैं। ऐसा करते हैं। मैं कंपनी से कहूंगा कि वे नौवें विभाग के अधिकतर मजदूरों को साथ लेकर निर्माण कार्य को आगे बढ़ाएं। क्यों?... जहां तक मुझे लगता है, अनुमति मिलने में दो-तीन सप्ताह का समय लग जाएगा, क्योंकि विभिन्न अधिकारी इस मसले पर विचार करेंगे।" उन्होंने देखा कि उनकी राय से तिङ मङ खुश नहीं हैं, इसलिए बात बदलते हुए आगे कहा, "एक और आसान रास्ता है। मै कंपनी और नौवें विभाग के जिम्मेदार लोगों को यहां बुलाता हूं, वे तुमसे मिलकर कोई उपाय सोचेंगे। क्यों ठीक है न? मुझे उम्मीद है, तुम मेरी प्रशंसा करोगे कि मैं अपने पुराने दोस्त के लिए अपवाद के तौर पर कुछ कर रहा हूं।"

"यह सचमुच बड़ी मदद होगी!"

मा पिन फिर से ठहाके लगा रहे थे। "तुम संतुष्ट नहीं हो?... मैं तुम्हें सच-सच बताऊं। तुमने अभी-अभी फिर से काम शुरू किया है। कुछ समय के बाद सभी चीजें समझ में आ जाएंगी। अभी की स्थिति ही ऐसी है!"

फिर से "अभी की स्थिति"! तिङ मङ की भौंहें तन गईं।

दोपहर में नौवें विभाग के प्रधान लाओ थान और दूसरे लोग तिङ मङ से मिलने आए। लाओ थान ठिगने कद के तगड़े व्यक्ति थे और उनके गाल लाल थे। लाओ थान को तिङ मङ और अपने वरिष्ठ अधिकारी के विशेष संबंध के बारे में पता था, इसलिए जिरह करने के बजाए उन्होंने केवल अपनी परेशानियां बताईं। "ठीक है, आप अपना रोना बंद कीजिए," मा पिन ने पतली सूखी टहनी जैसा अपना हाथ हिलाकर उन्हें चुप करने का संकेत किया और कहा, "अच्छा होगा कि आप काम जारी रखें! ... आपको मालूम है, निदेशक तिङ मङ सिद्धांतों को महत्व देते हैं और आपको उनका समर्थन करना चाहिए... बस। कंपनी वालों को कुछ कहना है क्या?" उन्होंने तिङ मङ की तरफ इशारा किया और आगे कहा, "विशेष मुद्दों पर आप लाओ तिङ और विनाइलॉन कारखाने के लोगों से बातें कर लें।" लाओ थान ने सहमति में सिर हिलाया।

पर जब "विस्तृत बहस" के लिए लाओ थान विनाइलॉन कारखाने पहुंचे तो उन्होंने डेढ़ करोड़ के नए बजट को स्वीकार करने से पुनः इंकार कर दिया।

तिङ मङ फिर से मा पिन से मिलने गए। मा पिन भी सिर हिलाने और कुछ फोन करने के अलावा कुछ और न कर सके। कोई भी नतीजा न निकला। अंततः तिङ मङ समझ गए।

ब्यूरो के प्रधान के नाते मा पिन अपने सहायकों को कड़े निर्देश नहीं दे सकते थे, अन्यथा उनका निर्देश देने का ''अधिकार'' भी जाता रहता! सो, यह दूसरी ''अभी की स्थिति'' थी।

तिङ मङ से रहा नहीं गया। उन्होंने अपने मित्र की खुलकर आलोचना की। मा पिन ने तिङ मङ को सारा गुस्सा निकालने दिया। वह शांति से उनकी आलोचना सुनते रहे और सहमति में सिर भी हिलाते रहे। कभी-कभी अपनी कुर्सी पर पीठ को सहारा देकर वह हंसने लगते, मानो किसी युवक के बचकाने विचारों को सुन रहे हों। तिङ मङ के तन-बदन में आग लग गई। उनकी आंखें निहाई पर रखे लाल गर्म लोहे की तरह सुर्ख हो गईं, मा पिन की हंसी के हथौड़े से जिससे चिंगारियां छूट रही थीं। क्रोध में उबलते हुए उन्होंने कहा, ''तुम **संवेदनहीन और** सुन्न हो गए हो! तुम धोखेबाज हो!''

मा पिन प्रत्यक्ष रूप से तो शांत रहे, पर उनके चेहरे की मुस्कराहट धीरे-धीरे लुप्त हो गई। उन्होंने भारी दिल से कहा, ''लाओ तिङ, यह सच है। जैसा कि तुमने कहा, मैं **संवेदनहीन** और सुन्न हो गया हूं... समस्या यह है... खैर, छोड़ो!'' ऊपर की ओर देखते हुए उन्होंने तेज स्वर में कहा, ''यह केवल नौवें विभाग या केवल निर्माण ब्यूरो की बात नहीं है। आजकल सभी... सभी जगह ऐसा ही है! तुम क्या कर सकते हो?'' उन्होंने लंबी सांस लेते हुए अंत में कहा, ''लाओ तिङ, आजकल काम करवाना उतना आसान नहीं रह गया है।''

''इसलिए ही तो हमें अधिक मेहनत करने की जरूरत है। अन्यथा क्या बचा रह जाएगा, तुम ही बताओ?'' तिङ मङ ने अपने दोस्त से सहानुभूति जताते हुए उन्हें सांत्वना देने की **गरज से कहा,** ''**तुम** थोड़ी देर आराम कर लो। मैं जाकर लाओ थान से मिलता हूं और इस संबंध में उनसे पूछता हूं।''

न्ये रुनते तिङ मङ के बारे में अत्यधिक चिंतित थे, उन्हें डर था कि कहीं मामला बढ़कर गतिरोध की स्थिति में न आ जाए। वह बात करने के लिए लाओ थान के पास गए। उन्होंने जानबूझकर लाओ थान को बताया कि तिङ मङ ने पहले ही अनेक जिला और शहर निर्माण कंपनियों से संपर्क किया है और उन्होंने फैसला किया है कि जल्दी ही उनमें से किसी एक के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर कर लेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि हल्का उद्योग ब्यूरो ने अगले कुछ वर्षों के लिए अनेक नई परियोजनाएं बनाई हैं, जो प्रांतीय निर्माण कार्य का एक बड़ा हिस्सा होगा। गंभीर लहजे में उन्होंने कहा, ''नौवें विभाग से तिङ मङ का झगड़ना छोटी बात नहीं है, यह छोटी बात नहीं है। उन्होंने मुझसे कहा है कि आगे से हल्का उद्योग ब्यूरो की एक भी निर्माण परियोजना आपके विभाग को नहीं सौंपी जाएगी। मैं आपसे सहमत हूं, निदेशक तिङ सचमुच सीमा का अतिक्रमण कर...'' उनकी बातचीत से ऐसा लगा कि वह तिङ मङ से असंतुष्ट हैं। उनकी बातों से लाओ थान परेशानी में पड़ गए, हालांकि उन्होंने एक भी शब्द नहीं कहा, पर सारे नतीजों पर गंभीरता से सोचने को बाध्य हुए। यह तो अच्छी बात होती कि नौवें विभाग को अपने इलाके की ही किसी निर्माण परियोजना की जिम्मेदारी मिल जाती, इससे उन्हें अपने मुख्य कार्यालय से अधिक दूर जाकर काम नहीं करना पड़ता और विशेषकर मजदूरों के परिवार वाले भी खुश रहते।

न्ये रुनते ने तिङ मङ को लाओ थान से हुई बातचीत के बारे में बताया। अपनी भौहें

चढ़ाते हुए तिङ मङ ने पूछा, "आप किस देश की कूटनीति कर रहे हैं?" न्ये रुनते ने ठंडी सांस लेते हुए कहा कि उन्हें स्वयं भी यह पसंद नहीं था, पर वर्तमान परिस्थिति में यही एक उपाय बचा था। इसके बाद तिङ मङ ने लाओ थान को मिलने के लिए बुलाया।

लाओ थान इस बात से चिढ़े हुए थे कि तिङ मङ ने निर्माण ब्यूरो की मार्फत उन पर दबाव डाला है। फिर भी इस बार उन्होंने अपनी नाखुशी जाहिर नहीं होने दी। वह मोल-तोल के लिए तैयार होकर आए थे। तिङ मङ उनकी सारी चालाक हरकतों को तुरंत ताड़ गए और अत्यंत सहजता से बोले, "लाओ थान, आप मुझसे मोल-तोल करने की कोशिश कर रहे हैं, है कि नहीं? मुझे तो ऐसा लग रहा है कि मैं किसी विदेशी व्यापारी के साथ मोल-तोल कर रहा हूं।" उन्होंने पास में बैठे न्ये रुनते की तरफ संकेत किया और कहा, "लाओ न्ये की बातों ने स्पष्टतः आपको नरम किया है। अब आपको विनाइलॉन कारखाने का निर्माण कार्य जारी रखना है। हालांकि आपने अभी तक स्वयं यह बात नहीं कही है, पर मैं जानता हूं कि आप अधिक पैसे चाहते हैं।"

लाओ थान का लाल चेहरा और लाल हो गया।

"अच्छा होगा कि हम इस तरह के खेल न खेलें," उन्होंने आगे कहा, "हम सभी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य हैं, हम उसकी छाप से मुक्त नहीं हो सकते, हो सकते हैं क्या? लाओ न्ये ने आपसे जो कुछ कहा, वह सब झूठ था। मैंने किसी अन्य निर्माण इकाई से कोई बात नहीं की—मैंने सोचा जरूर था, पर अभी तक नहीं की। हमारी आगामी योजनाएं जरूरी नहीं हैं कि इसी इलाके में चलाई जाएं।"

लाओ थान ने चौंककर फटी आंखों से तिङ मङ को देखा। तिङ मङ ने अपनी बात जारी रखी, "मैंने महसूस किया कि आपके निर्माण ब्यूरो से बात करने में कोई फायदा नहीं है। ब्यूरो भी आपको आदेश नहीं दे सकता। यह सब कुछ मैं आपको साफ-साफ बता रहा हूं। मोल-तोल? आप ऊंची जगह पर हैं और अगर चाहें तो अपनी शर्तें भी रख सकते हैं। पर मैं आपको याद दिलाऊं, बीस वर्षों से अधिक समय पहले आप युवा ब्रिगेड के इस प्रांत के पहले कप्तान थे, थे कि नहीं? क्या आप भी इस प्रकार की धोखाधड़ी और चालबाजी से आदर्श बन सके थे? और क्या अब आपको इस चाल से स्वयं पर शर्म नहीं आती?"

लाओ थान का सिर झुका जा रहा था। वह सिगरेट पर सिगरेट पिए जा रहे थे। न्ये रुनते मुंह में पाइप लगाए खामोश बैठे थे, उनका सिर भी झुका था।

"आप, मैं और सारा देश... ओफ्फ छल-कपट! हम क्या कर सकते हैं?" मेज थपथपाते हुए तिङ मङ ने भारी दिल से गहरी सांस ली।

लाओ थान लौटकर नौवें विभाग के अपने दफ्तर में गए। उदासी में वह पूरे आधे दिन तक सिगरेट पर सिगरेट पीते रहे। वह चिंता और उधेड़बुन में फंसे हुए थे कि छ्येन कुङ उनसे मिलने आए। तिङ मङ ने उन्हें भेजा था कि डेढ़ करोड़ के बजट के अनुसार कार्य को पूरा करने में नौवें विभाग की मदद करें। लाओ थान चौंककर रह गए। उन्होंने नए बजट को स्वीकारने की इच्छा कब प्रकट की? क्या तिङ मङ अधिकार नहीं जमा रहे हैं?... पर न जाने

किस कारण से लाओ थान अपने आदमियों और खाकों को लेकर छ्येन कुङ के साथ निर्माण स्थल पर गए।

छ्येन कुङ ने "निर्माण कार्य को सुव्यवस्थित करने की योजना" सबके सामने रखी। अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर बारीकी से खर्च की कटौती के लिए सुझाए उनके प्रस्तावों की मजदूरों ने सराहना की। लाओ थान भी प्रभावित हुए। वह ज्यादा देर तक मौन दर्शक नहीं रहे, खासकर जब उन्होंने सुना कि तिङ मङ ने हल्का उद्योग ब्यूरो की देखरेख में बजट योजनाकार प्रशिक्षण कक्षा चलाने का फैसला किया है, जिससे उनके विभाग के प्रशिक्षु भावी विशेषज्ञ बन सकें।

वह उसी रात तिङ मङ से मिलने गए। उन्होंने खुलकर नहीं बताया कि उन्होंने डेढ़ करोड़ का बजट स्वीकार कर लिया है। इसके बदले उन्होंने अपने सामने पेश आई समस्याओं के बारे में खुलकर बातें कीं। चूंकि कार्य की गति को बढ़ाना उनके लिए मुश्किल था, इसलिए वह नयी तरह की व्यवस्था अपनाने के लिए आर्थिक अधिनियमों को लागू करने के संबंध में सोच रहे थे। दरअसल, इस संबंध में उन्होंने एक रिपोर्ट भी पेश की थी, जिसे निर्माण ब्यूरो की मंजूरी के लिए भेजना पड़ा था। पर महीनों गुजर जाने के बाद भी उसके बारे में अधिकारियों की क्या राय बनी, वह यह नहीं जान सके। उनके वश में कुछ था भी नहीं। आखिरकार वह हर दिन उसकी बाबत नहीं पूछ सकते थे।

"आपको हर दिन...चाहिए था।" तिङ मङ ने उनके हाथों को थपथपाते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की। "निर्भीक बनें। मैं निश्चित हूं, निर्माण ब्यूरो आपका अवश्य समर्थन करेगा।" थोड़ी देर रुकने के बाद वह आगे बोले, "हां, तो बोनस के अलावा—ओह, आर्थिक अधिनियमों पर मैं मामूली ढंग से बातें कर रहा हूं—क्या कोई उपाय नहीं है?... पुरानी परंपरा के अच्छे तत्वों को नहीं भूलना चाहिए!"

उनका आशय निस्संदेह राजनीतिक विचारधारा के कार्य से था। उन्हें अच्छी तरह से मालूम था कि कुछ लोगों का दृष्टिकोण इस बारे में धुंधला हो गया है।

१०

विनाइलॉन कारखाने के पूरक बजट को काट-छांटकर आधा करने पर सभी चकित रह गए। प्रांतीय राजधानी में तिङ मङ की चर्चा हल्का उद्योग ब्यूरो और निर्माण ब्यूरो तक ही सीमित नहीं रही। सभी जानते थे कि "खूंखार निदेशक" विनाइलॉन कारखाने के मामले में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं है। (तिङ मङ नाम के "मङ" रेखाक्षर का एक अर्थ खूंखार भी होता है)। लोग यह भी जानते थे कि प्रांतीय निर्माण ब्यूरो के पार्टी सचिव मा पिन को कारखाने ले जाया गया था, ताकि वह खुद अपनी आंखों से देख सकें कि इमारती निर्माण में कैसे गति लाई जाती है। इस ढीलेपन और आधे मन से काम करने की वर्तमान स्थिति में उन्होंने एक दृढ़ और आकर्षित करने वाला झंडा फहराया, जिससे लोगों को प्रेरणा मिली और वे लोग इस पर बहस भी करने लगे।

तिङ मङ ने विनाइलॉन कारखाने की पार्टी कमेटी की एक विस्तृत सभा बुलाई। वह नेतृत्व को पुनर्संगठित कर नए सिरे से काम आरंभ करना चाहते थे।

प्रांतीय राजधानी में बैठे चाङ आनपाङ ने स्थितियों में आए बदलाव को देखकर परेशानी महसूस की। जब पार्टी कमेटी ने उन्हें विस्तृत सभा में शामिल होने की सूचना दी, उन्होंने अधिक तीव्रता से महसूस किया कि उन्हें दृढ़ तरीकों से संभावित खतरे का सामना करना है।

फलस्वरूप तिङ मङ के सामने समस्याएं और गहरे तेज रूप में आईं। पहले ही खरीदी जा चुकी जमीन के लिए उत्पादक दल ने आपत्ति उठाई, क्योंकि चाङ आनपाङ द्वारा वादा करने के बावजूद उन्हें लॉरी नहीं मिल पाई थी। प्रिफेक्चर पार्टी कमेटी के संगठन विभाग में कार्यरत चाङ आनपाङ के एक दोस्त द्वारा आवश्यक तकनीशियनों का स्थानान्तरण रोक दिया गया। चाङ आनपाङ ने अपने निजी संबंधों के आधार पर पहले कुछ रेलवे ट्रकों की व्यवस्था की थी, उन रेलवे ट्रकों को अचानक रोक दिया गया, जिससे वर्कशॉप के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अति आवश्यक खिड़कियां थ्येनचिन शहर में पड़ी रह गईं। ब्वायलर रूम से लिए कोयले के परिवहन के लिए बिछाई जाने वाली विशेष रेलवे लाइन के संबंध में भी समस्याएं थीं, क्योंकि चाङ आनपाङ और रेलवे ब्यूरो के बीच "तीन करोड़" के बजट में अलिखित समझौता पूरा नहीं हुआ था। यहां तक कि गटर के ऊपर लगाए जाने वाले लोहे के ढक्कन भी उपलब्ध नहीं थे। सामग्री आपूर्ति इकाई का पत्र आया, "कुछ अप्रत्याशित समस्याओं के कारण सामग्री आपूर्ति न करने का हमें खेद है।..."

इन सभी "आकस्मिक सूचनाओं" को सुनकर तिङ मङ भौंहें सिकोड़ते रहे। इनमें से हर सूचना निर्माण परियोजना को पूरा करने की सालभर की योजना को बिगाड़ने के लिए पर्याप्त थी। शायद तिङ मङ इन आकस्मिक सूचनाओं के लिए पहले से तैयार थे, क्योंकि उन्होंने न्ये रुनते से कहा, "कुछ कार्यकर्ताओं से कहें कि वे इन समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान करें। हमें नेतृत्व को पुनर्संगठित कर लेना चाहिए। इसके बाद हम इन समस्याओं से एक-एक करके निबट लेंगे।"

इसी बीच के क्वाङशङ ने प्रांतीय राजधानी से आकर उन्हें समाचार दिया कि प्रांतीय पार्टी कमेटी के संगठन विभाग ने छ्येन कुङ के पेइचिङ स्थानान्तरण का अनुमोदन नहीं किया। इस समाचार ने तिङ मङ को चौंका दिया। वह छ्येन कुङ से मिलने गए तो वहां के क्वाङशङ, न्ये रुनते और छ्येन कुङ चिंतित मुद्रा में बैठे थे।

कमरे में प्रवेश करने के साथ तिङ मङ ने कहा, "उदास या निराश होने से समस्या हल नहीं हो सकती।" तीनों में से कोई भी एक शब्द न बोला; सभी ने एक नजर उनकी तरफ देखा और फिर दूसरी दिशा में देखने लगे। दरअसल वे इस अफवाह को सुनकर उदास और नाराज थे कि प्रांतीय पार्टी कमेटी के संगठन विभाग ने तिङ मङ को हल्का उद्योग ब्यूरो के नेतृत्वकारी पद से हटाने का फैसला किया है। तिङ मङ इससे अवगत नहीं थे।

"वे क्यों सहमत नहीं हैं?" तिङ मङ ने पूछा।

"शायद छ्येन कुङ ने चाङ आनपाङ को नाराज किया है और आपको मालूम है कि उनकी पत्नी संगठन विभाग में काम करती हैं," के क्वाङशङ ने क्रोधित स्वर में कहा।

"यह तो कानून और अनुशासन का उल्लंघन है!" तिङ मङ भी गुस्से में थे।

"पक्का सबूत न होने पर हम कर भी क्या सकते हैं? वे इसे संगठन विभाग के नाम पर कर रहे हैं और कहते हैं कि यह प्रांतीय जरूरतों के अनुसार लिया गया फैसला है, यह बिलकुल उचित है!" के क्वाङशङ ने जोड़ा।

"कोरी बकवास है!"

"निदेशक तिङ, बेहतर होगा कि... न सोचें," छ्येन कुङ ने अंत में कहा। "और... लाओ के सही कह रहे हैं। आजकल अपने काम को जो गंभीरता से लेता है, वह परेशानी में पड़ सकता है..."

"तो आप सिद्धांतों पर जोर नहीं देंगे?" तिङ मङ ने फटकारते हुए कहा।

"मैं? मैं अपने बारे में नहीं कह रहा हूं... मैं तो उन लोगों की परवाह भी नहीं करता। उन्हें जो दिल में आए करें। पर मैं उन्हें जरूरत से एक कौड़ी ज्यादा खर्च नहीं करने दूंगा।" छ्येन कुङ के स्वर में नाराजगी थी, वह हाथ झटकते हुए बोले, "आप मुझे करने दें। बस!... अब मेरे सामने सब कुछ स्पष्ट है। यदि मैं पेइचिङ लौट भी जाता हूं और दृढ़ता से कठिनाइयों और ऐसी गंदी चुनौतियों का सामना नहीं करता तो मैं अच्छा बजट नहीं तैयार कर सकता हूं।"

तिङ मङ छ्येन कुङ की बातों से खुश हुए, पर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर नहीं होने दी। उल्टे के क्वाङशङ से शिकायत भरे स्वर में बोले, "आप क्या उपदेश दे रहे हैं?... आप और आपकी निराशा!"

"मेरी निराशा?..." के क्वाङशङ ने दुखी होकर कहा, "यही अभी की स्थिति है!"

अभी की स्थिति! ये शब्द सुनते ही तिङ मङ क्रोध से कांपने लगे। "बस एक ही बात से इतनी शिकायत..." थोड़ी देर के बाद शांत स्वर में उन्होंने कहा, "अगर सभी लोग सच्चे दिल से काम करें तो सब कुछ ठीक हो जाएगा। छ्येन कुङ के स्थानान्तरण के बारे में ब्यूरो लौटने के बाद एक-दो दिनों के अंदर हम विचार-विमर्श करेंगे और फिर संगठन विभाग से संपर्क कायम करेंगे।"

"आप संगठन विभाग से संपर्क कायम करेंगे?" के क्वाङशङ ने और भी अधिक सख्ती से कहा, "इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। वे आपसे इसके पहले ही संपर्क करेंगे। मैं आपको बताऊं, वह आपको प्रांतीय मजदूर संघ का उपाध्यक्ष बना रहे हैं। शायद ग्यारहवें उपाध्यक्ष होंगे आप?"

"क्या?"

"हां, कुछ 'दयालु व्यक्तियों' ने रिपोर्ट की है कि 'सांस्कृतिक क्रांति' के दौरान आपके साथ अत्यधिक ज्यादतियां हुई थीं, आजकल आपकी तबीयत भी अधिक अच्छी नहीं है, इसलिए हल्का उद्योग ब्यूरो का श्रमसाध्य काम आपको नहीं करना चाहिए..." के क्वाङशङ अभी और भी कुछ बताने जा रहे थे कि तिङ मङ उठकर खड़े हुए और उन्हें झिड़का, "बस, आगे कहने की जरूरत नहीं है। यह केवल अफवाह है।"

"कभी-कभी अफवाह सरकारी खबर से भी अधिक महत्वपूर्ण होती है।" के क्वाङशङ को भी गुस्सा आ रहा था।

थोड़ी देर तक तिङ मङ कुछ नहीं बोले। उनकी आखों से थकावट झलक रही थी। उन्होंने के क्वाङशङ की तरफ फिर से देखा। इस बार उनकी आंखों में क्षमा थी, उन्होंने अपनी बात दुहराई, "आगे कहने की जरूरत नहीं है, यह केवल अफवाह है।" वह नम्र मगर दृढ़ थे। के क्वाङशङ खामोश रहे। तिङ मङ कुछ देर तक जड़वत खड़े रहे और खिड़की से बाहर दूर कहीं देखते रहे। फिर पलटकर उन्होंने न्ये रुनते से कहा :

"कल सुबह हमारी पार्टी कमेटी की विस्तृत सभा जारी रहेगी।"

११

इस बीच हल्का उद्योग ब्यूरो से तिङ मङ के स्थानान्तरण की बात पूरे कारखाने में फैल गई... यह चाङ आनपाङ के दूर संवेद प्रसारण केंद्र से फैलाई गई थी। इससे सबसे पहले कार्यकर्ताओं के बीच खलबली मच गई। पूरी दोपहर लोग बेचैन रहे। उनमें से कुछ कार्यकर्ता खतरनाक "जवाबी हमला" की तैयारी के संबंध में गुप्त वार्ताएं कर रहे थे, वे पूरे जोश में थे। वे अगले दिन पार्टी कमेटी की अंतिम विस्तृत सभा में "लहर को उलटने" जा रहे थे। ज्यादातर कार्यकर्ता स्थितियों का परेशानी से भरे अंदाजा लगा रहे थे... शाम को एक और अफवाह फैली : विशेष रेलवे लाइन बिछाने संबंधी समस्याओं को निबटाने के लिए विनाइलॉन कारखाने से भेजे गए प्रतिनिधियों से रेलवे ब्यूरो ने कहा, "कृपया तिङ मङ को स्वयं यहां भेजें!"

रात में न्ये रुनते तिङ मङ से मिलने गए। उन्होंने दरवाजे को धक्का देकर खोला; तिङ मङ खिड़की के सामने खड़े अंधेरे में टिमटिमाती बिखरी रोशनियों को देख रहे थे। उनके चेहरे पर चिंता की लकीरें थीं और अचानक वह कुछ अधिक बूढ़े लगने लगे थे। शर्म और अपराध भावना से ग्रस्त न्येन रुनते दरवाजे पर ही खड़े रहे।

"कुछ गंभीर मामला है क्या?" पलटने पर उन्हें देखकर तिङ मङ ने नर्मी से पूछा।

न्ये रुनते ने झिझकते हुए कहा, "कारखाने की स्थिति सामान्य नहीं लग रही है। कल की सभा रद्द कर दी जाए क्या...?"

तिङ मङ ने निश्चयात्मक स्वर में कहा, "नहीं। यह होगी। स्थिति सामान्य है। ... और कोई बात?"

न्ये रुनते वास्तव में उन्हें रेलवे लाइन से संबंधित समस्या के बारे में बताने आए थे, पर उन्होंने केवल इतना कहा, "अगर अब भी कोई समस्या है तो हम उसे स्वयं सुलझाने की कोशिश करेंगे।"

"अच्छी बात है... मेरी तरफ से कॉमरेडों को धन्यवाद कहें।" तिङ मङ ने सहज होकर कहा। रेलवे लाइन से संबंधित समस्या की जानकारी उन्हें आज मिल चुकी थी।

उस रात तिङ मङ से मिलने कोई भी नहीं आया, मानो सभी ने महसूस किया हो कि तिङ मङ को आराम की जरूरत है। उनका घर हमेशा ठहाकों से भरा रहता था, आज वहां खामोशी थी। रात भी गहरी और शांत थी। स्टोव की आग से कमरा काफी गर्म हो गया था। उन्होंने एक खिड़की थोड़ी खोली। कुछ ठंडी हवा अंदर आई। कमरे में चहलकदमी करने के बाद

अनजाने में वह आईने के सामने आकर खड़े हो गए। पहली बार आईने में उन्होंने स्वयं को गौर से देखा और पाया कि उनके सारे बाल लगभग सफेद हो गए हैं। वह बूढ़े हो रहे थे और समय घटता जा रहा था। ... पर अभी उन्हें बहुत सारे काम करने थे। उनकी चिंता के ठोस कारण थे। उन्हें यह चिंता नहीं थी कि वह निदेशक रहेंगे या नहीं। न ही उन्हें "तीन करोड़" की लड़ाई के नतीजे की चिंता थी। उन्हें चिंता थी—देश की, पार्टी की! उन्हें विश्वास नहीं हो पा रहा था कि देश की बागडोर चाङ आनपाङ जैसे व्यक्तियों के हाथों में होगी, जो कम्युनिस्ट पार्टी की बिलकुल परवाह नहीं करते। पर इस संदर्भ में व्यावहारिक समस्याएं उनकी चिंता बढ़ा रही थीं... दूर टिमटिमाती रोशनियों को देखते हुए उन्होंने गंभीरता से सोचा। बहुत ही गंभीरता से।

दरवाजा खुला। आधी रात को मा पिन उनसे मिलने आए। उन्होंने सच्चे दिल से कहा, "लाओ तिङ, मुझे तुमसे सीखना चाहिए। विकट से विकट परिस्थिति में भी हमें विश्वास नहीं खोना चाहिए। हमें आशावादी होना चाहिए।"

"मैं तुमसे सच कहूं, मैं बहुत ही चिंतित हूं।" तिङ मङ ने कहा।

"यही कि डेढ़ करोड़ के बजट में निर्माण कार्य को पूरा नहीं किया जा सकता?"

"नहीं," तिङ मङ ने कुछ सोचकर मेज पर रखी अलार्म घड़ी उठाई। उन्होंने उसमें चाभी भरी और फिर से उसे टेबल पर रख दिया। "देखो, घड़ी में जब तक चाभी रहेगी, घड़ी टिक-टिक करती रहेगी। मुझे विनाइलॉन कारखाने के बारे में अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं है। सभी विभाग सक्रिय हैं। यदि थोड़ी बहुत समस्याएं भी होंगी तो वे निर्माण कार्य पूरा करने में आड़े नहीं आएंगी। मुझे जो चिंता है ... तुम तो जानते हो।" अनजाने में अपने सफेद बालों में उंगली फेरते हुए उन्होंने कहा।

मा पिन ने अपने पक्के दोस्त के दिल की बात समझी। वह भी स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। थोड़ी देर के बाद उन्होंने कहा, "फिर भी लाओ तिङ, हमारी और तुम्हारी चिंता भिन्न है। तुम चिंतित हो, ठीक है। पर तुम अभी भी आशावादी और विश्वास से भरे हो। मेरी चिंता निराशा पैदा करती है, मैं हताश हूं, मेरा विश्वास खो चुका है।"

"मुझे यही डर है कि तुम्हारी चिंता ही अंतिम सत्य न बन जाए..."

मा पिन थोड़ी देर तक कुछ नहीं बोले। फिर विरोध करते हुए उन्होंने विश्वास के साथ कहा, "नहीं, नहीं, नहीं! मैं नहीं मानता। मेरी तरह की निराशा और हताशा अंतिम सत्य नहीं हो सकती! ... लाओ तिङ, यह सच है, "तीन करोड़" के मामले में आपके गंभीर रुख से कितने लोग जागृत हुए हैं! छ्येन कुङ, बजट योजनाकार पाए शा, कारखाना प्रबंधक न्ये, नौवें विभाग के लाओ थान और मैं भी। हां, यहां तक कि तुम्हारा पुराना दोस्त जो इतना पीछे था, वह भी जागृत हुआ है! ... मैं तुम्हारी राय से सहमत हूं। अभी की स्थिति को बदलने के लिए एक चीज की कमी है। और वह है काम!"

"तो तुम्हें लगता है अभी भी संभावना है?... यह तो निश्चित ही सुखद बात है!" तिङ मङ की आंखों में उनकी चिंता और गहरी सोच के साथ वह चमक भी थी जो मजाक करते वक्त उनकी आंखों में उतर आती थी।